वर्ष 24, अंक 193, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 21 जनवरी 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ठंड पड़ेगी प्रचंड !

दिल्ली में सर्दी की असली पिक्चर अभी बाकी

मौसम की मार, 2.3 डिग्री टेंपरेचर, घने कोहरे के साथ ठंड से कांप गई दिल्ली, सर्दी ने तोड़ा 3 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली:

'दिल्ली की सर्दी' वाली कहावत इस साल बिल्कुल सही साबित हो रही है. ठंड ने पिछले 3 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया था.राजधानी दिल्ली पिछले चार दिनों से शीत लहर की चपेट में है, यह स्थिति शुक्रवार को भी जारी रहने की संभावना जताई जा रही है.

पहाड़ों से लेकर मैदान तक, इन दिनों हाड़ कंपा देने वाली सर्दी पड़ रही है. शरीर पर कपड़ों की मोटी लेयर के बाद भी कंपकंपी रुकने का नाम नहीं ले रही है. दिल्ली से लेकर यूपी, बिहार तक, हर जगह ठंड का सितम देखने को मिल रहा है. मकर संक्रांति के मौके पर भी दिल्ली-एनसीआर भीषण ठंड की चपेट में रहा. सुबह से शुरू हुआ ठंड और कोहरे का सितम दिन भर जारी है.कोहरा तो दिन बढ़ते-बढ़ते खत्म हो गया लेकिन सर्दी और शीतलहर बदन के साथ रूह भी कंपा रही है. इस ठंड से दिल्ली-एनसीआर को फिलहाल राहत मिलने वाली नहीं है. मौसम विभाग ने इसे लेकर पहले ही आगाह कर दिया है. यानी कि आने वाले दिन और भी सर्द होंगे.

कैसा रहेगा दिल्ली का मौसम ?

दिल्ली में सर्दी ने पिछले तीन सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. गुरुवार को 2.3 डिग्री के टेंपरेचर के साथ कोहरे ने खूब परेशान किया. 16 जनवरी को भी शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी. राजधानी के कुछ हिस्सों में हल्का से मध्यम स्तर का घना कोहरा रहेगा. वहीं 17 से 21 जनवरी तक आसमान में बादल छाए रहेंगे. सुबह के वक्त थोड़ा कोहरा भी देखने को मिलेगा. इस दौरान न्यूनतम तापमान 5 से बढ़कर 9 डिग्री पहुंच सकता है. जबकि अधिकतम तापमान 22 से 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जिससे थोड़ी राहत मिल सकती है.

इन जगहों पर पड़ेगी भीषण ठंड

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अगले 2 दिनों तक शीतलहर जारी रहने की संभावना जताई है. उसके बाद इसमें कमी आने की संभावना है. वहीं उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में अगले 5 दिनों तक घना कोहरा छाया रह सकता है. जबकि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में अगले 2 दिनों तक बहुत ज्यादा ठंड रह सकती है.

दिल्ली में सर्दी ने तोड़ा 3 साल का रिकॉर्ड

दिल्ली में 15 जनवरी को सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम उपमंडलों में शीत दिवस की स्थिति रही.दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग में जनवरी 2023 के बाद से सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इससे पहले 16 जनवरी 2023 को पारा 1.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था.

बहु मौसम संबंधी चेतावनी

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अगले 2 दिनों तक शीतलहर जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आने की संभावना है।

पालम में न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. लोधी मार्ग पर पारा 3.4 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा. रिज स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री और आयानगर में 2.7 डिग्री सेल्सियस रहा

पालम में दर्ज न्यूनतम तापमान 2010 के बाद का सबसे कम तापमान रहा. इसके बाद दूसरी बार सबसे कम तापमान सात जनवरी 2013 को दर्ज किया गया था. इस दिन पारा 2.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था. दिल्ली के सभी मौसम केंद्रों ने सामान्य से कम तापमान दर्ज किया, जो पूरी दिल्ली में शीत लहर की स्थिति के बने रहने का संकेत है. राजधानी दिल्ली पिछले चार दिनों से शीत लहर की चपेट में है और यह संभावना जताई जा रही है कि यही स्थिति शुक्रवार को भी जारी रहेगी. इसके साथ ही आज अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर को प्रदूषण से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार के बाद जीआरएपी-4 प्रतिबंधों को रद्द करने की घोषणा की। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार को 378 दर्ज किया गया, जो 'अत्यंत खराब' श्रेणी में आता है। सोमवार को एक्यूआई 410 और रविवार को 440 था। शनिवार, 17 जनवरी को वायु गुणवत्ता के "गंभीर" श्रेणी में पहुंचने के बाद राजधानी और आसपास के इलाकों में जीआरएपी-4 के तहत सख्त प्रतिबंध लागू किए गए।

केंद्रीय एजेंसी के एक बयान में कहा गया है कि अनुकूल मौसम स्थितियों और हवा की गति में वृद्धि के कारण दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार हुआ है और 20.01.2026 को यह 378 ('अत्यंत खराब') दर्ज किया गया। इसके अलावा, आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक इसी श्रेणी में रहने की संभावना है। बयान में आगे कहा गया है, "उपोक्त को देखते हुए, उप-समिति ने जीआरएपी के चरण xxx ('गंभीर+' श्रेणी, वायु गुणवत्ता सूचकांक > 450) के तहत कार्रवाई करने वाले अपने दिनांक 17.01.2026 के आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।"

राजनीति भोग नहीं, त्याग है... BJP राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन नबीन का पहला धुआंधार

नई दिल्ली

नितिन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत की, क्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग

ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुख्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था।

शंकराचार्य मामले में चाचा-भतीजा ने एक साथ योगी सरकार पर बोला बड़ा जुबानी हमला

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव ने बड़ा जुबानी हमला बोला है.

सोशल मीडिया साइट एक्स पर कुछ देर के अंतराल में चाचा-भतीजे ने एक के बाद एक सरकार पर निशाना साधा.जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव ने लिखा कि प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी के साथ हुई घटना ने भाजपा सरकार की असलियत उजागर कर दी है.

सपा नेता ने लिखा किजो सत्ता हर मंच पर धर्म और सनातन का ठेका लेती है, वही सत्ता आज संतों की आवाज से डर रही है।

'हमारा रास्ता बिल्कुल अलग है'-असदुद्दीन

नई दिल्ली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में अपनी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि समुद्र के दो किनारे कभी नहीं मिल सकते। अठक को दिए एक विशेष साक्षात्कार में ओवैसी ने अकोट में हुई हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें अक्टक्ट पार्षदों ने इखढ के साथ गठबंधन करने की

कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि अकोट में अक्टक्ट के पांच पार्षदों ने चुनाव जीता था और पार्टी ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी। ओवैसी ने कहा कि शुरूआत में पार्षदों ने दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस समूह में वे शामिल हुए हैं वह इखढ से जुड़ा हुआ है। ओवैसी ने बताया कि इसके बाद पार्टी ने उन्हें तुरंत नगर आयुक्त को पत्र लिखकर अपना समर्थन वापस लेने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि बाद में यह बात सामने आई कि भाजपा नेता के बेटे को सह-विकल्प के माध्यम से पार्टी में शामिल किया गया था, जिसके बाद इम्तियाज जलील ने पार्षदों को पार्टी से निलंबित कर दिया। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि एआईएमआईएम प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों से गठबंधन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए: अनंत विजय

नई दिल्ली

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की साम?ग्री का नियमन' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई।

परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए 'ओवर द टॉप का मायाजाल' पुस्तक के लेखक एवं समीक्षक अनंत विजय ने कहा कि ओवर द टॉप यानी ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री परोसी जा रही है, इसे लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। अच्छी बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इस विषय पर परिचर्चा आयोजित कर रही है।

उन्होंने कहा कि सिनेमा से ज्यादा बड़ा फलक ओटीटी का हो गया है। इस माध्यम में कुछ अच्छी कहानियां दिखाई जा रही हैं, लेकिन अनेक कहानियों में प्रस्तुत भगवान का उपहास उड़ाने की प्रवृत्ति, सेना और सैनिकों की छवि खराब करने जैसे प्रसंग, गाली-गलौज, यौनिकता, नग्नता, हिंसा से भरे कंटेट चिंता का विषय है और उस पर कहीं न कहीं अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए। सरकार पर इसे लेकर बहुत दबाव है और वह विचार कर रही है। हालांकि इसके लिए काफी

संसाधनों की आवश्यकता होगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यालय मंत्री संजीव सिन्हा ने संस्था परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि परिषद् भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों की संस्था है। 1966 ई. में स्थापित इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महान साहित्यकार जैनेंद्र कुमार थे।

'साहित्य परिक्रमा' पत्रिका प्रबंधक रजनी मान ने परिषद् के रीवा राष्ट्रीय अधिवेशन में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री का नियमन' विषय पर पारित प्रस्ताव का पाठ प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्स पर प्रसारित होनेवाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।

परिचर्चा का संचालन इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, आरके पुरम विभाग के अध्यक्ष एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मलखान सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना रजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण आर्य, इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा एवं ममता वालिया, संयुक्त महामंत्री बृजेश गर्ग, मंत्री सुनीता बुग्गा एवं राकेश कुमार, जगदीश सिंह, नरेन्द्र मिश्र, अखिलेश द्विवेदी, नवीन नीरज, जितेन्द्र कालरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नोएडा इंजीनियर मौत मामला: चश्मदीद का दावा

बयान बदलने का दबाव बना रही पुलिस

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के नोएडा में सेक्टर-150 में 16 जनवरी की रात सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के बाद जहां पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई तेज हुई है. वहीं घटना के चश्मदीद डिलीवरी बॉय मोनिंदर सिंह ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उस पुलिस बयान बदलने के लिए दबाब डाल रही है. यह बात खुद मोनिंदर ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कही है, उसने अपने ऊपर बयान बदलने का प्रेशर बताया.

मोनिंदर ही वही व्यक्ति है जिसने रस्से के सहारे पानी में कूदकर युवराज को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन वहां खड़ी पुलिस और फायर ब्रिगेड तमाशबीन बनी रही. मोनिंदर के मुताबिक जब उसने यही बात बयान में कही तो मुझपर दबाब डाला जा रहा है. इस घटना से नोएडा पुलिस-प्रशासन पर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं.

बेसमेंट सीज था तो प्राधिकरण ने इसे भरा क्यों नहीं

एनडीटीवी से बातचीत करते हुए मोनिंदर ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने यह बेसमेंट सीज किया था तो इसे भरा क्यों नहीं गया? यह बड़ा सवाल है. अब एक युवक को बचाया नहीं जा सका तो

मुझ पर बयान बदलने के लिए दबाब डाला जा रहा है. उसने बताया कि उसे थाने बुलाया गया और धमकाया गया कि पुलिस के खिलाफ बयान क्यों दे रहा. मोनिंदर ने बताया कि पुलिस घटना के वक्त मौजूद थी, लेकिन पानी में क्यों नहीं उतरी, अगर समय रहते बचाव कार्य शुरू होता तो बचाया जा सकता था.

मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए नोएडा अथॉरिटी के एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया और बिल्डर के खिलाफ xxxदर्ज की और उएड को हटाया गया. इसके साथ ही रक्ळ का गठन भी किया गया है. लेकिन मोनिंदर सिंह के आरोपों ने अब पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं. मोनिंदर के बयान पर अभी पुलिस के तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सीएम डैशबोर्ड पर खराब रैंकिंग पर भड़के डीएम, अधिकारियों को चेतावनी

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयसीमा पर सख्ती, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तेज करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की खराब रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रैंकिंग में तत्काल सुधार लाया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिन विभागों की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी, सी और डी श्रेणी है, उनके अधिकारियों से स्पष्टीकरण लिया जाएगा। साथ ही सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और लंबित मामलों की साप्ताहिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जो परियोजनाएं समय सीमा में चल रही हैं, उन्हें तेजी से पूरा कराया जाए। जिन योजनाओं में समयवृद्धि या अतिरिक्त बजट की आवश्यकता है, उनके लिए कारण सहित प्रस्ताव भेजे जाएं। वहीं, जो परियोजनाएं व्यवहारिक नहीं हैं, उन्हें डैशबोर्ड से हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सी और डी श्रेणी वाले विभागों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए गए।

विकास योजनाओं की समीक्षा में पीएम सूर्यघर योजना पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पीओ नेडा को अन्य विभागों और वेंडरों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा खंड विकास अधिकारियों के सहयोग से अधिक से अधिक सोलर कनेक्शन कराने को कहा गया। विद्युत विभाग को लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। छात्रवृत्ति योजनाओं की खराब रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने अल्पसंख्यक कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और समाज कल्याण विभाग को शिक्षण संस्थानों के साथ बैठक कर सुधार लाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया। फैमिली आईडी निर्माण में खराब प्रगति और सी रैंकिंग पर जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को अभियान चलाकर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं पशुपालन विभाग को सख्त निर्देश दिए गए कि कोई भी निराश्रित गौवंश सड़कों पर न दिखे और सभी को गौ संरक्षण केंद्रों में सुरक्षित किया जाए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि अगले माह सभी योजनाओं की रैंकिंग ए श्रेणी में लाई जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फीडिंग कार्य में भी किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला विकास अधिकारी जी.पी. कुशवाहा, परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतोष कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल में कांग्रेस ने किया अधिकारों की बहाली का आह्वान

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार द्वारा बीरकाजी बाबूगंज में मंगलवार को मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ता, मजदूर और महिलाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गंगापार के कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत गरीब व मजदूर परिवारों को घर-द्वार पर 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार मिलता था, जिससे उनके जीवन-यापन की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी कर दिया है। जिससे मजदूरों के रोजगार की कानूनी गारंटी समाप्त हो गई है। अशफाक अहमद ने कहा कि मनरेगा योजना देश की लगभग ढाई लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों जरूरतमंद लोगों तक रोजगार पहुंचाने का माध्यम रहा है जो आज करोड़ों लोगों के जीवन जीने का आधार बन चुकी थी। सरकार द्वारा इस योजना को कमजोर किया जाना गरीब और मजदूर विरोधी कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी काम के अधिकार, मजदूरी के अधिकार और जवाबदेही जैसे संवैधानिक अधिकारों की बहाली के लिए देशव्यापी संघर्ष जारी रखेगी और मनरेगा की पुनर्बहाली तक यह आंदोलन चलता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष निशा सिंह ने किया। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय, विशेष आमंत्रित सदस्य शरद उपाध्याय मुन्ना, महेश त्रिपाठी, परवेज ताहिर, मंजू देवी, सुनीता देवी, सहाना बेगम, पुष्पा चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय, अवधेश चौरसिया, डॉ. अमर सिंह पटेल, मो. फारूक, श्यामजी धुरिया, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, शिवप्रसाद मौर्या, सलीम टाइगर, मो. यूसुफ, संगीता देवी सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं।

मां भगवती की कृपा से सभी दुखों से मुक्ति प्राप्त होती है

नैनी। नैनी अरैल में महर्षि महेश योगी आश्रम परिसर में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो रहा है। यह आयोजन महर्षि के संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश के निर्देशन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव एवं आश्रम प्रभारी बसंत दास के द्वारा वृंदावन से पधारे आचार्य रामविलास चतुर्वेदी को सम्मानपूर्वक आसन पर विराजमान कराया गया। उन्होंने बताया कि कलयुग के प्रथम चरण में गुप्त नवरात्रि के अवसर पर देवी का पूजन-अर्चन करने से मानव जीवन सफल होता है तथा मां भगवती की कृपा से सभी दुखों से मुक्ति प्राप्त होती है। इस अवसर पर आश्रम परिसर में भक्तों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव, आश्रम प्रभारी बसंत दास, ऋषि त्रिवेदी, विमल मिश्रा, रोहिततिवारी, द्वारिका तिवारी, सोनू पांडे तथा मीडिया प्रभारी संजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

भारतगंज नगर पंचायत कार्यालय पर सचल न्यायालय' का आयोजन आज

मांडा। ग्रामीण नागरिकों को त्वरित और सुलभ न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम न्यायालय, मेजा द्वारा 'सचल न्यायालय' का आयोजन किया जाएगा। यह सचल न्यायालय 21 जनवरी 2026 (बुधवार) को दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक नगर पंचायत कस्बा भारतगंज, थाना माण्डा, जनपद प्रयागराज में आयोजित होगा। सत्र की अध्यक्षता माननीय न्यायिक अधिकारी रूपांशु आर्य करेंगे। ग्राम न्यायालय, मेजा ने वादकारियों, पक्षकारों और अधिवक्तागण से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर सचल न्यायालय में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया है, ताकि उनके प्रकरणों का त्वरित और सुलभ निस्तारण हो सके। यह मंच जनसहभागिता और विधिक परामर्श के लिए भी उपलब्ध रहेगा। सचल न्यायालय में जुर्मस्वीकारोक्ति, अंतिम रिपोर्ट , वाद वापसी और सुलहनामा जैसे वादों का निस्तारण किया जाएगा। ग्राम न्यायालय, मेजा भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे सचल न्यायालयों का आयोजन करता रहेगा, ताकि न्याय को अधिक सुलभ और जनोन्मुख बनाया जा सके। रितगंज लौलक ग्राम सभा के समस्त सभासदगण, संलग्न ग्राम पंचायतों और ग्राम प्रधानों से अनुरोध किया गया है कि वे इस सत्र की जानकारी अपने-अपने ग्राम में प्रचारित करें, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण नागरिक सचल न्यायालय का लाभ उठा सकें। ग्राम न्यायालय, मेजा 'न्याय सबके द्वार' की अवधारणा को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपस्थित होने वाले वादकारियों से अनुरोध है कि वे अपने प्रकरण/वाद संख्या, संबंधित कागजात/आदेश प्रतियाँ और वैध पहचान-पत्र साथ रखें। सुनवाई क्रमानुसार होगी, अतः समय पर उपस्थित होना अनिवार्य है। उक्त जानकारी चौकी प्रभारी भारतगंज सुभाष सिंह ने दी।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट, हर्षोल्लास से मनाने के निर्देश

नगर मजिस्ट्रेट ने बैठक कर दिए दिशा-निर्देश, शिक्षण संस्थानों व कार्यालयों में होंगे कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को जनपद में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह ने संगम सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रमों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।नगर मजिस्ट्रेट ने कहा कि जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में गणतंत्र दिवस समारोह विधिवत रूप से आयोजित किया जाए और सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि स्कूलों में छात्र-छात्राओं को गणतंत्र दिवस के इतिहास और महत्व से अवगत कराने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने अपर नगर आयुक्त, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां-जहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कराया जाए।नगर मजिस्ट्रेट ने सभी तहसीलों और ब्लॉक मुख्यालयों पर भी स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गणतंत्र दिवस के अवसर पर विविध सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित कराने को कहा।बैठक में अपर नगर आयुक्त, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित जिला अपराध निरोधक समिति, सिविल डिफेंस और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चोरी की योजना बनाते अंतरजनपदीय गिरोह के 11 शातिर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

झूंसी। थाना झूंसी और एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने मंगलवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने छतनाग ज्ञानगंगा घाट के पास एसटीपी के निकट चोरी की योजना बना रहे 11 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी करने वाले उपकरण व नकदी बरामद हुई है।

पुलिस की माने तो पकड़े गए दिलीप पुत्र स्व. वासुदेव निवासी ग्राम भाईलालपुरवा थाना रहरा बाजार जनपद जौनपुर, गोंडा के रामदीन, चन्द्रभान, जितेन्द्र कुमार, जगदीश प्रसाद, दुर्गेश, झूंसी भदकार निवासी सुजीत कुमार निषाद, दारागंज का विकास निषाद, गोलू निषाद, मनीष निषाद को पकड़ा गया है जिनके पास से 3 लोहे की रॉड, कटर, आरी ब्लेड, प्लास, पेचकश और 13,205 रुपये नकद बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में प्रयागराज के अलावा गोंडा और बलरामपुर के शातिर अपराधी शामिल हैं। इनमें से दुर्गेश, चन्द्रभान और जितेन्द्र कुमार का लंबा आपराधिक इतिहास है, जिन पर वाराणसी, जौनपुर और अयोध्या में लूट, हत्या के प्रयास और गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। झूंसी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में हरिशंकर मिश्रा, चौकी प्रभारी नई झूंसी, सचिन तंवर, चौकी प्रभारी छतनाग, उ0नि0 अखिल ओझा, अंशुमान सिंह, सिपाही पवन कुमार, अमित मिश्रा, अभिषेक सिंह, सविन तोमर प्रभारी एसओजी नगर व उनकी टीम शामिल रही।

मानदेय न मिलने से माघ मेला में सफाई कर्मियों का आक्रोश, कई सेक्टरों में काम ठप

प्रयागराज। माघ मेला 2026 में ठेकेदार द्वारा मानदेय का भुगतान न किए जाने और बकाया रकम को लेकर सफाई कर्मियों का गुस्सा शुक्रवार को फूट पड़ा। नाराज सफाई कर्मचारियों ने मेला क्षेत्र के कई सेक्टरों में काम ठप कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए व्यवस्थाएं प्रभावित रहीं। कर्मचारियों का आरोप है कि बार-बार आश्वासन के बावजूद उन्हें समय पर मेहनताना नहीं दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मेला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों द्वारा सफाई कर्मियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया। वार्ता के दौरान अधिकारियों ने शीघ्र भुगतान का आश्वासन दिया, जिसके बाद हालात को नियंत्रित करने की कोशिश जारी रही।

इस बीच अरैल सेक्टर-7 में प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र यादव के कुशल नेतृत्व और सतर्कता के चलते हड़ताल जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी गई। उनके प्रभावी समन्वय से सफाई कर्मी पूरे दिन अपने कार्य में जुटे रहे और क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था सुचारू बनी रही। प्रशासन का कहना है कि बकाया भुगतान को लेकर शीघ्र समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिघिया में राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता अजय राज का भव्य स्वागत

मांडा। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (साहस श्रेणी) से सम्मानित अजय राज का मांडा क्षेत्र के दिघिया गांव में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में ग्रामीण, छात्र-छात्राएं, शिक्षक और स्थानीय समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अजय राज ने स्वयं उपस्थित लोगों को अपने साहसिक कार्य की पूरी घटना सुनाई। उन्होंने बताया कि वे आगरा जिले के बाह तहसील के झरनापुरा गांव के रहने वाले हैं और उनकी उम्र लगभग 9 वर्ष है। जुलाई 2025 को चंबल नदी के किनारे उनके पिता बीरभान के साथ एक भयावह घटना घटी। नदी में अचानक मगरमच्छ ने उनके पिता के पैर को पकड़ लिया।

इस संकट की घड़ी में अजय ने बिना किसी भय के नदी में छलांग लगाई और लकड़ी से मगरमच्छ पर वार किया। उन्होंने मगरमच्छ की आंखों पर निशाना साधा, जिससे वह डरकर भाग गया और उनके पिता की जान बच गई।

अजय के इस अद्भुत साहस के लिए उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 (साहस श्रेणी) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें प्रदान किया था। स्वागत समारोह में उपस्थित लोगों ने अजय की बहादुरी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि उसके इस साहसिक कदम ने पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। कार्यक्रम के अंत में अजय ने कहा की मैंने अपने पिता की जान बचाई। मुझे खुशी है कि देश ने मेरे साहस को पहचान दिया।

स्वागत समारोह में अजय राज का सम्मान करने वाले मुख्य गणमान्य व्यक्तियों में तेज बहादुर निषाद, पंकज कश्यप, अधिवक्ता मदन बिंद, अधिवक्ता सिद्धार्थ जैसल, विनय बिंद, हरिभगवान बिंद और पूर्व छात्र नेता दिनेश निषाद शामिल थे।

नितिन नवीन बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकरगढ़ में जश्न का सैलाब

शंकरगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नवीन के निर्वाचित होने की खबर मिलते ही शंकरगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने मिठाइयाँ बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी और संगठन की मजबूती का संकल्प दोहराया।पूर्व यमुनापार जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने कहा कि नितिन नवीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना पार्टी के स्वर्णिम भविष्य की नींव है। उनके नेतृत्व में भाजपा संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होकर राष्ट्र सेवा के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ेगी।भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का क्षण है। नितिन नवीन जैसे ऊर्जावान और दूरदर्शी नेता के नेतृत्व में पार्टी नई ऊँचाइयों को छुएगी। वहीं डॉ. सत्यरंजन ने कहा कि नितिन नवीन का चयन युवाओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता के विश्वास का प्रतीक है। इस मौके पर पूर्व यमुनापार जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती, भाजपा उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल दास गुप्ता, डॉ. सत्यरंजन, टमाटर गुरु, मुन्ना मिश्रा, मनोज गुप्ता, छेदी लाल वर्मा, रामलाल वर्मा, रामानंद मिश्रा, देव द्विवेदी, वेद शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्यूब रूट फाउंडेशन द्वारा 28 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया

सोरांव। सोमवार को कोखराज हड़िया एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड और क्यूब रूट फाउंडेशन द्वारा 28 मेधावी छात्र-छात्राओं को भावापुर कार्यालय पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक छात्र को 10-10 हजार रुपए का चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को यातायात नियमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव, श्यामजीत प्रमिला सिंह, परियोजना प्रमुख उदय भान सिंह और थाना प्रभारी सोरांव, केशव वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्यामजीत प्रमिला सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को यातायात सुरक्षा के महत्व और नियमों की विस्तृत जानकारी दी।

थाना प्रभारी केशव वर्मा ने हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट बांधकर वाहन चलाने पर जोर दिया, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। इस मौके पर सीनियर मैनेजर रोड सेफ्टी अभिषेक यादव, रेजिडेंट इंजीनियर प्रमोद यादव राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के डिप्टी मैनेजर टेक्निकल पंकज मोना, और क्यूब रूट फाउंडेशन के प्रबंधक आशीष चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राशन कार्ड धारक भी होंगे आजीविका मिशन के लाभार्थी : आदित्य तिवारी

अखंड भारत संदेश

करछना। विकासखंड करछना के अंतर्गत ग्राम विकास विभाग के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना की बैठक विकासखंड सभागार में की गई। बैठक के उद्देश्य राशन कार्ड धारक लाभार्थियों को भी ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह के लाभार्थी होने की पात्रता पर रहा। यह बैठक ब्लॉक सभागार में खंड विकास अधिकारी करछना अमित मिश्रा के अध्यक्षता में की गई, जिसके अंतर्गत विकासखंड के सभी ग्राम पंचायत के कोटेदार तथा समूह सखी के साथ अन्य कैडरों के साथ बैठक कर इस महत्वाकांक्षी योजना पर विस्तृत चर्चा की गई तथा कार्य योजना बनाई गई । बीडीओ द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शासन की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है क्योंकि इसमें ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं जुड़कर स्वावलंबी बन रही है तथा न्यूनतम ब्याज दर पर उनके लिए ऋण भी उपलब्ध हो रहा है ,जिससे अपने जीविका के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रही है । सरकार का उद्देश्य प्रदेश को गरीबी से मुक्त करना है ,इसके क्रम में इस योजना के द्वारा कोटेदारों के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि कोई भी ग्रामीण महिला इस योजना के लाभ से वंचित न रह सके।

वही कार्यक्रम के संयोजक ब्लॉक मिशन प्रबंधक करछना आदित्य तिवारी द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्था की गई तथा समस्त ग्राम पंचायत से आजीविका मिशन के कैडरों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई गई , आदित्य तिवारी द्वारा बताया गया की सरकार का उद्देश्य न सिर्फ समूह बनाना है अपितु ग्रामीण अंचल को समृद्ध तथा स्वावलंबी बनाना है ,नारी शक्ति में वह सामर्थ है जिससे कि समाज को सही दिशा दिया जा सकता है। सहायक विकास अधिकारी ग्राम विकास उदयभान ने यह आश्वस्त किया कि ग्रामीण स्तर पर सभी कैडर को इस अभियान को पूरा करने में पर्याप्त सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन संजय चौधरी जलत शर्मा द्वारा किया गया तथा सभी ग्राम पंचायत से आए हुए कोटेदार तथा कैडरों इस योजना का लाभ देने के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में गुलशन देवी, मनोरमा पटेल, बिमला देवी, निर्मला देवी, मनीष सिंह, रवि कुमार, गुलाम गौस आदि उपस्थित रहे।

खेल-कूद से आपसी भाईचारा प्रेम सौहार्द की भावना उत्पन्न होती है : डॉ वीके सिंह

जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उग्रसेनपुर क्रिकेट क्लब कैश मनी क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 सीजन 12 स्व. राहुल सिंह स्मृति में 1-19 जनवरी के मध्य जिला पंचायत इंटर कालेज उग्रसेनपुर में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का समापन करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज डाक्टर वीके सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल-कूद से आपसी भाईचारा प्रेम सौहार्द की भावना उत्पन्न होती है। एक साथ खेलने से भेदभाव भी समाप्त होता है साथ ही खेल से अनुशासन शैली भी विकसित होती है। खेल को खेल भावना से खेलने की नसीहत देते हुए कहा विपक्षी खिलाड़ी को कभी अपना दुश्मन नही समझना चाहिए खेल में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ईर्ष्या नही। सभी ने प्रतिगोगिता आयोजन के लिए आयोजक मडंल का आभार व्यक्त किया। तमाम टीमों ने अपने अपने भाग्य को आजमाया मुख्य मुकाबला अशरफ एंड ब्रदर्स मियां का पूरा वर्सेस ट्रस्ट क्लासेस क्रिकेट क्लब ज्ञानपुर भदोही के मध्य खेला गया। जिसमें ट्रस्ट क्लासेस ज्ञानपुर भदोही टॉस जीत पर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट खोकर 81 रन बनाकर अशरफ ब्रदर एंड मियां का पूरा के खिलाड़ियों को 82 रन का लक्ष्य दिया निर्धारित 20 ओवर में मियां के पूरा के खिलाड़ियों ने 19 ओवर में 10 विकेट खोकर 75 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच के रूप में आदित्य पांडेय अपने निर्धारित चार ओवर में 13 रन देखकर कर बहुमूल्य 4 विकेट लिए और मैन ऑफ द सीरीज के रूप यश सिरोही में चुने गए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में इंजीनियर घनश्याम पांडेय, संजय बनकटा, गरुण पांडेय, संतोष सिंह, अनिल मिश्रा द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। मैच के आयोजक एवं संचालक अजीत पांडेय, जनेश्वर बनकटा, हवलदार सिंह, राजकुमारी यादव, विनय दुबे, रविंद्र कन्नौजिया, बबलू सिंह, बाबूल दुबे कमेंटेटर दारा पांडेय, वसीम, गौरव गुप्ता, स्कोरर अर्पित शर्मा, हंसू पांडेय, आयुष पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

माघ मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को थमाई नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज से जुड़ा मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। सोमवार देर रात मेला प्रशासन की ओर से एक कर्मचारी नोटिस लेकर स्वामी के शिविर में पहुंचा, जिससे संत समाज और उनके अनुयायियों में असंतोष देखा गया।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगी सरकार ने बताया कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण का एक कर्मचारी सोमवार रात लगभग बारह बजे शिविर में आया और वहां किसी जिम्मेदार पदाधिकारी से मिलने की बात करने लगा। पूछताछ किए जाने पर कर्मचारी ने अपना परिचय दिया और बताया कि वह एक न्यायालयीय आदेश के अनुपालन में नोटिस देने आया है।मीडिया प्रभारी के अनुसार, आधी रात को शिविर में इस तरह नोटिस पहुंचाया जाना अनुचित और असामान्य है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज मंगलवार को मीडिया के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। उल्लेखनीय है कि माघ मेला में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज को लेकर पहले से ही प्रशासन और संत समाज के बीच तनातनी की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में देर रात की गई यह प्रशासनिक कार्रवाई विवाद को और गहरा करने वाली मानी जा रही है।

संत समाज से सरकार अविलंब मांगे माफी : अजय राय

- शंकराचार्य से मिलने माघ मेला पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, धरने को दिया समर्थन
- प्रशासन का पक्षः भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा कारणों से रोका गया काफिला, स्थिति नियंत्रण में

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के अवसर पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ हुई कथित बदसलूकी को लेकर सियासत गरमा गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर नंबर-4 स्थित शंकराचार्य के आश्रम पहुंचे और उनके धरने का समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने सरकार से सम्पूर्ण संत समाज और सनातन समाज से अविलंब क्षमा याचना करने की मांग की।बताया गया कि मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य के काफिले को पुलिस ने संगम तट की ओर जाने से रोक दिया था। इस दौरान काफिले में आगे चल रहे बटुकों, समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक के बाद धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई, जिससे मेला क्षेत्र में तनाव फैल गया। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समर्थकों को पीछे हटाया, जिस पर संत समाज ने विरोध शुरू कर दिया।

धरने की सूचना मिलते ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कौशांबी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गौरव पांडेय, प्रयागराज शहर अध्यक्ष, गंगापार व जमुनापार अध्यक्ष तथा एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी आजाद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे।इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि साधु-संतों के साथ किया गया व्यवहार अक्षम्य है। उन्होंने भाजपा सरकार पर माघ मेले को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने और संत महात्माओं का षड्यंत्र के तहत अपमान करने का आरोप लगाया। साथ ही घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

प्रशासन का पक्ष

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि शंकराचार्य ने पैदल संगम जाने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके अनुयायियों की संख्या अधिक होने के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बनने की आशंका थी। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को देखते हुए काफिले को रोका गया। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

धरना स्थल पर कांग्रेस के पूर्व शहर अध्यक्ष प्रदीप अंशुमान मिश्रा, हरकेश त्रिपाठी, सचिन पांडे, अकरम जाका, असद अहमद, मोहम्मद मिजाज, विवेकानंद पाठक, जितेंद्र तिवारी, अक्षय यादव, सोनू, मोनू यादव सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खादी प्रदर्शनी की सांस्कृतिक संध्या में गूंजे भजन, राज रसिया ने बांधा समां

माघ मेला 2026 में परेड ग्राउंड पर आयोजित मंडलीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से परेड ग्राउंड, त्रिवेणी रोड में आयोजित मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसी क्रम में मंगलवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक राज रसिया ने अपने समूह के साथ भजनों की सुमधुर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मौजूद रहे। राज रसिया व ग्रुप रविशंकर की प्रस्तुतियों पर श्रोता देर तक तालियां बजाते रहे। कलाकारों ने प्रधानमंत्री के ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल के विचार को स्वदेशी अभियान की सफलता का आधार बताते हुए खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया।उल्लेखनीय है कि मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 10 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। प्रदर्शनी में खादी संस्थाओं एवं ग्रामोद्योग इकाइयों के लिए कुल 210 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की जा रही है।

प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों की खादी संस्थाएं भाग ले रही हैं। यहां कटिया, रेशम, पोली खादी, सूती व ऊनी वस्त्रों सहित विभिन्न प्रकार के परिधान और ग्रामोद्योग उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम में जवाहरलाल, जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन राकेश मोहन गुप्ता, ज्येष्ठ लेखा परीक्षक ने किया। इस अवसर पर सुनील कुमार, महेंद्र कुशवाहा, आशीष यादव, अनुज द्विवेदी, रामलाल, दिनेश दुबे, आशुतोष कुमार, हिमांशु यादव, सूर्य प्रकाश यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज जंक्शन पर बड़ा हादसा टला, आरपीएफ की सतर्कता से यात्री और बच्चे की जान बची

प्रयागराज। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। प्लेटफॉर्म पर मौजूद आरपीएफ जवानों ने समय रहते एक यात्री और उसके साथ मौजूद बच्चे की जान बचा ली।बताया गया कि प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आने के दौरान एक यात्री संतुलन खो बैठा, जिससे वह बच्चे सहित खतरे की स्थिति में आ गया। स्थिति को भांपते हुए मौके पर तैनात आरपीएफ कर्मियों ने बिना समय गंवाए तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आरपीएफ की इस त्वरित कार्रवाई से प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी की स्थिति बनते-बनते टल गई। घटना के बाद यात्री और अन्य मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और सुरक्षा बलों की तत्परता की सराहना की।रेलवे अधिकारियों ने भी आरपीएफ के जवानों की सूझबूझ और साहसिक कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सजगता से एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

मुंडेरा मंडी में महिलाओं से अभद्रता के आरोप, भाकियू ने किया धरना-प्रदर्शन

मंडी सचिव से वार्ता के बाद धरना समाप्त, भविष्य में आंदोलन की चेतावनी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मुंडेरा कृषि उत्पादन मंडी समिति में रात के समय महिलाओं के साथ शराब के नशे में अभद्रता और प्रताड़ना की शिकायतों को लेकर माहौल गरमा गया। इन आरोपों को नारी सम्मान पर सीधा हमला बताते हुए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने मंडी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरनास्थल पर भाकियू कार्यकताओं ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक मंडी सचिव और दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, किसी भी अधिकारी को कार्यालय में बैठने नहीं दिया जाएगा।धरना-प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि नारी शक्ति का अपमान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं को मातृ शक्ति और जगत जननी बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।बाद में मुंडेरा मंडी सचिव के साथ सकारात्मक और आश्वासनपूर्ण वार्ता के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। किसान यूनियन ने बताया कि अधिकारियों ने शिकायतों के समाधान और भविष्य में ऐसी घटनाएं न होने का भरोसा दिलाया है।

हालांकि भाकियू नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में वार्ता के विपरीत किसी भी प्रकार की किसान-विरोधी या असंवेदनशील कार्यशैली सामने आती है, तो संगठन बड़े और निर्णायक आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

'चलो रे मन गंगा यमुना तीर' कार्यक्रम में सजी महफिल, सूर्य प्रकाश दुबे ने बांधा समां, भजन सुनकर भाव विभोर हुए दर्शक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। त्रिवेणी संगम की पावन धरती पर मंगलवार, 20 जनवरी की शाम को राष्ट्रीय सांस्कृतिक जोन सेंटर (NCZCC) में आयोजित कार्यक्रम चलो रे मन गंगा यमुना तीर ने दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह में सुप्रसिद्ध भजन गायक सूर्य प्रकाश दुबे और उनकी संगत ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बन गया।मुम्बई से आए सूर्य प्रकाश दुबे ने इस अवसर पर कई भजनों की प्रस्तुति दी, जिनमें प्रमुख थे–को कहीं सखनी प्रयाग प्रभाऊ कलुष पुंज पंजर मृग राहु,प्रयाग नगरी बसे संगम के तीरे,पावन तीरथ प्रयागराज में पुण्य कमाते हैं, जहां त्रिवेणी संगम है घूम के आते हैं । मीरा आपकी कृपा से उनकी संगत ने भी शानदार प्रस्तुति दी और पूरे हॉल में तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल मंत्रमुग्ध कर गया।इस अवसर पर सूर्य प्रकाश दुबे ने प्रयागराज के प्रति अपनी चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कुछ रिलायबल और सोशल मीडिया ब्लॉगर अर्ध कुंभ को कुंभ, और कुंभ को महाकुंभ बताकर भ्रम फैला रहे हैं, जिससे लोगों को गलत संदेश मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयाग को केवल व्यापार का केंद्र समझने वाले लोग सनातन संस्कृति और धर्म का महत्व भूल रहे हैं। सूर्य प्रकाश दुबे ने कहा कि वह बार-बार प्रयाग में आना पसंद करते हैं और यहां का माहौल उन्हें हमेशा बुलाता रहता है।कार्यक्रम के अंत में ठठेउउ के डायरेक्टर सुदेश शर्मा ने सूर्य प्रकाश दुबे और सभी कलाकारों को सम्मानित कर उनकी मेहनत और प्रस्तुति की सराहना की।

जब नारी सशक्त होगी तभी संभव होगा क्षेत्र और समाज का वास्तविक विकास : रुचि तिवारी

महिला सशक्तिकरण की दिशा में शिवसेना की प्रदेश सचिव के नेतृत्व में समर्थ नारी सशक्त मेजा अभियान का परवा गांव से हुआ शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

शिविर से समर्थ नारी सशक्त मेजा अभियान का शुभारंभ करती प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी

मेजा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मेजा से एक सशक्त और संवेदनशील पहल की शुरूआत हुई है। शिवसेना (एनडीए गठबंधन) उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में समर्थ नारी सशक्त मेजा अभियान का शुभारंभ विकास खंड उरुवा के परवा गांव से किया गया। यह अभियान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और सेवा के संकल्प के साथ महिलाओं तक सीधे पहुँचने का प्रयास है, जो आने वाले समय में पूरे मेजा क्षेत्र के गाँव-गाँव तक विस्तारित होगा। अभियान के प्रथम चरण में ग्राम परवा में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर ने क्षेत्र में सेवा और विश्वास की एक मजबूत मिसाल पेश की। शिविर में अमिता मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल एवं इंदुमति नेत्रालय के अनुभवी चिकित्सकों ने महिलाओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण तथा आवश्यक परामर्श निःशुल्क किया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह पहल केवल इलाज तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी मंच बनी। इस दौरान चिकित्सकों ने महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित जीवनशैली और स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। पूरे शिविर के दौरान सम्मानजनक और संवेदनशील वातावरण बना रहा, जिससे महिलाएँ खुलकर अपनी समस्याएँ साझा कीं। यह स्वास्थ्य शिविर आगे चलकर घर-घर संवाद और निरंतर महिला केंद्रित अभियानों की मजबूत आधारशिला के रूप में देखा जा रहा है। शिविर का संचालन डाक्टर निशांत मिश्र,डाक्टर अन्नू शुक्ला और इंदुमती नेत्रालय के डाक्टर सौरभ मिश्रा तथा डाक्टर कान्हा मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर आयोजक एवं शिवसेना (एनडीए गठबंधन) की प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी ने कहा कि ह्लसमर्थ नारी सशक्त मेजा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वास्थ्य और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हम हर गाँव, हर बस्ती और हर घर तक पहुँचकर महिलाओं से सीधे संवाद करें, उनकी समस्याएँ सुनें और उन्हें सशक्त भविष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। जब नारी सशक्त होगी, तभी समाज और क्षेत्र का वास्तविक विकास संभव है।

अभियान के दौरान महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रेरक संदेश भी गूंजते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प नारी शक्ति का सम्मान सशक्त भारत की पहचान और शिवसेना प्रमुख महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के यह विचार जब नारी आगे बढ़ती है तब समाज नहीं, पूरा देश आगे बढ़ता है ने आयोजन को नई ऊर्जा दी।

इस मौके पर संगम लाल मिश्रा, रणजीत सिंह, शशिकांत मिश्र, परमात्मा राम पाण्डेय, शशि मिश्रा, वतन गौड, रामा गौड, सर्वेश गौतम, सोनू मिश्रा, विवेक शुक्ला, विभव पांडेय, राजू तिवारी कमलेश गौड़ मुकेश मिश्रा, सर्वेश सिंह पूर्व प्रधान, संगम लाल मिश्रा, रणजीत सिंह, शशिकांत मिश्र, रतीश दुबे ,रोहित शुक्ला, सबल तिवारी, राहुल पांडेय तथा शशि मिश्रा आदि के अलावा कई अन्य लोग प्रमुख रूप से रहे।

किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए : पूर्व कैबिनेट मंत्री इंद्रजीत सरोज

सहसों। सेमरी थानापुर स्थित देवीदीन पाल अतिथि गृह में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं की विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रपत्र एसआईआर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगापार के 5 विधानसभा के सभी सेक्टर अध्यक्ष, जोनल अध्यक्ष की समीक्षात्मक अध्ययन किया गया। बैठक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने संगठनात्मक गतिविधियों के अलावा एसआईआर को लेकर विस्तार से समीक्षा की और आगामी कार्ययोजना पर दिशा-निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के दौरान जिस प्रकार पार्टी के कार्यकताओं ने घर-घर जाकर कड़ी मेहनत की उसी प्रकार अब फॉर्म 6, 7 एवं 8 के कार्य में भी पूरी ईमानदारी और गंभीरता से लगना होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से किसी भी हाल में छूटना नहीं चाहिए। बैठक के अंत में सभी कार्यकताओं, जोनल व सेक्टर अध्यक्षों ने संकल्प लिया कि रक्फ़ की तरह ही फॉर्म 6, 7 व 8 के कार्य को भी मिशन मोड में पूरा किया जाएगा। ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। बैठक में विधानसभा के हर विधानसभा अध्यक्ष ने एसआईआर को लेकर किए गए अब तक के कार्यो का ब्योरा भी प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिल कुमार यादव व संचालन विधानसभा अध्यक्ष शकील इस्माइल ने किया।

बैठक में प्रतापपुर विधायिका विजमा यादव, हंडिया विधायक हाकिम लाल बिंद, पूर्व विधायक अंसार अहमद, पूर्व विधायक हाजी मुजतबा सिद्दीकी, पूर्व सांसद धर्मराज सिंह पटेल, राम सुमेर पाल, मंसूर आलम, कृष्णमूर्ति सिंह यादव, अरविंद केसरवानी, मुश्ताक काजमी, राम प्रताप, सुषमा पासी, संगीता पटेल सहित भारी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, नगर आयुक्त ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को आयोजित सम्भव जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त आईएएएस सीलम साईं तेजा ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे और अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र में संशोधन, नाला-नाली व सड़क-गली मरम्मत, सीवर और पेयजल से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं।

नगर आयुक्त ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल आपूर्ति, नालों-नालियों की सफाई और जाम नालियों से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई के दौरान उपस्थित पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों की समस्याएं नगर आयुक्त के समक्ष रखीं। इसके बाद जोनल कार्यालय के सभी पार्षदों के साथ बैठक कर शहर में विभिन्न स्थानों पर चबूतरे, पेयजल व्यवस्था, शौचालय-यूरिनल, शेड निर्माण सहित अन्य जनसुविधाओं को लेकर सुझाव लिए गए।

बैठक में वीआईपी क्षेत्र में क्यूआरटी टीम की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे साफ-सफाई, मार्ग प्रकाश, मलवा और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार राय, मुख्य कर अधिकारी पीके द्विवेदी, महाप्रबंधक गौरव कुमार, नगर व्यवस्था अधिकारी, मुख्य अभियंता (सिविल एवं विद्युत), अधिशासी अभियंता (विद्युत), पशु कल्याण विभाग, जलकल विभाग सहित सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज कुंभ में स्नान करने आए अशोक शुक्ला आखिर कहां गए...?

मेजा। मौनी अमावस्या पर नागपुर से प्रयागराज कुंभ में स्नान करने आए अशोक शुक्ला आखिर कहां गए उन्हें धरती खा गई या आसमान निगल गया या फिर उनकी मौत हो गई ?अशोक की तलाश में दर दर भटक रहे परिजनों ने प्रयागराज पुलिस से गुमशुदा हुए अधेड़ व्यक्ति को शीघ्र ही बरामद किया जाने की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लाट नंबर 572/आरआई कापोरेशन स्कूल जवल,सुरेंद्रगढ़ सेमिनरी हिल्स नागपुर महाराष्ट्र के रहने वाले 50 वर्षीय अशोक शुक्ला पुत्र जगन्नाथ शुक्ला बीते 18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर प्रयागराज कुंभ में स्नान के लिए आए थे किंतु कुंभ में अधिक भीड़भाड़ होने के कारण वे कहीं गायब हो गए हैं। गौरतलब है कि अशोक शुक्ला की तलाश में दर दर भटक रहे परिजनों ने किसी अनहोनी

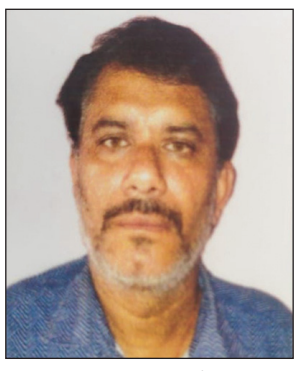

की आशंका जाहिए करते हुए कहा कि प्रयागराज में स्नान करने आए अशोक आखिर कहां गए वे जिंदा हैं या मुर्दा उन्हें धरती खा गई या आसमान निगल गया ? हालांकि की अशोक शुक्ला की तलाश में भटकते परिजनों ने प्रयागराज पुलिस से उन्हें जिंदा या मुर्दा बरामद किए जाने की गुहार लगाई है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, 22 जनवरी से प्रदेश में बारिश के आसार

प्रयागराज। प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। आगामी 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, लेकिन इसके बाद लगातार दो पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से 22 जनवरी की देर रात से उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद हवा की दिशा में बदलाव और आसमान साफ रहने से बीती रात पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यह स्थिति अगले 24 घंटों तक बनी रह सकती है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 48 घंटों के दौरान तापमान में क्रमिक गिरावट के बावजूद न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास या उससे अधिक रहने का अनुमान है। कोहरे में कमी आने से फिलहाल ठंड से राहत बनी रहेगी।

रॉयल होटल के पास नजूल भूमि से हटाया गया अतिक्रमण, अवैध दुकानें ध्वस्त

नगर निगम के सहयोग से पीडीए की कार्रवाई, मौके पर पुलिस बल तैनात

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने नगर निगम के सहयोग से नवाब यूसुफ रोड स्थित रॉयल होटल के बगल में नजूल भूमि पर बने अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए सभी दुकानों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई सोमवार को चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई।

पीडीए की ओर से पहले ही अतिक्रमणकारियों को स्वयं अवैध दुकानें हटाने का नोटिस दिया गया था, लेकिन तय समयावधि के बावजूद दुकानदारों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके बाद पीडीए ने नजूल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर निगम से सहयोग मांगा। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार राय के नेतृत्व में अतिक्रमण दस्ते ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान सभी अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही संबंधित थाना पुलिस को दोबारा अतिक्रमण न होने देने के लिए सूचना भी दी गई। इस अभियान में नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार राय, अतिक्रमण प्रभारी कर्नल दिनेश तनवर, नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता, स्थानीय पुलिस बल तथा प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में नजूल भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी के सघन निरीक्षण से अधिकारियों-कर्मचारियों में मचा हड़कंप

- तहसीलदार कुण्डा के कार्यो में अनियमितता मिलने पर विभागीय कार्रवाई का दिया निर्देश
- प्राथमिक विद्यालय राजापुर का किया औचक निरीक्षण, पठन-पाठन की ली जानकारी

अखंड भारत संदेश

कुण्डा/प्रतापगढ़। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने आज तहसील कुण्डा का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील के समस्त पटलों की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख-रखाव, लंबित प्रकरणों तथा न्यायालयीन कार्यों की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। जिलाधिकारी ने विभिन्न धाराओं में लंबित राजस्व पत्रावलियों, भूलेख पटल, खतौनी कक्ष, पट्टा रजिस्टर, आय एवं जाति प्रमाण पत्र पटल, नजारत, रिकॉर्ड रूम एवं न्यायालय से संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण किया। इस दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई पत्रावलियाँ वर्षों से लंबित रखी गई हैं, जिनका समयबद्ध निस्तारण नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कुण्डा को निर्देशित किया कि सभी लंबित राजस्व मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने तहसीलदार कुण्डा न्यायालय का निरीक्षण किया, जहां दाखिल-खारिज से संबंधित लंबित पत्रावलियों की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर प्रशासनिक एवं प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। कुछ पत्रावलियों में वादकारियों के सादे कागज पर हस्ताक्षर पाए जाने को जिलाधिकारी ने अत्यंत गंभीर विषय बताया, इन अनियमितताओं पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार कुण्डा के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में उपस्थित अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारियों एवं फरियादियों से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने विकास खंड बाबागंज अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय राजापुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया तथा कक्षाओं में जाकर बच्चों से पठन-पाठन से संबंधित प्रश्न पूछे। साथ ही विद्यालय परिसर की नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में लाखों की गृहस्थी जलकर राख

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के रमईपुर नेवादा गांव में बिजली के तार में हुए शॉर्ट सर्किट से एक घर में भीषण आग लग गई, जिससे संपूर्ण गृहस्थी जलकर राख हो गई। हादसे के समय घर के सभी सदस्य बाहर काम पर गए हुए थे, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।गांव निवासी नन्हकऊ पुत्र बेचना के घर अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर घर में रखा फ्रिज, कूलर, बेड, राशन, कपड़े सहित अन्य घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित की पत्नी हदीसुल ने बताया कि उनके बेटे की मात्र दो माह पूर्व शादी हुई थी और विवाह के बाद जुटाई गई गृहस्थी भी आग में जलकर खत्म हो गई।घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार सुबह करीब 8 बजे ग्राम प्रधान पति राजेश वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत क्षेत्रीय लेखपाल को सूचना दी। लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया और तहसील प्रशासन को रिपोर्ट भेजने की बात कही।वहीं ग्राम प्रधान पति ने कोटेदार को बुलाकर पीड़ित परिवार के लिए राशन की व्यवस्था कराई। मौके पर लेखपाल आनंद कनौजिया, दिलबहार, तफसीर, प्रवीण पाल, संजय पाल, संगरू, सुमित सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बंटवारे की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत

प्रतापगढ़। बंटवारे की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत सीएम समेत अफसरों से की गयी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के नौबस्ता निवासी बाबूलाल ने मुख्यमंत्री समेत पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र भेज कर जमीन से अवैध कब्जा से हटवाने की मांग उठाई है। पीड़ित का आरोप है कि उसे आपसी बंटवारे से अपना भूमि का हिस्सा प्राप्त हुआ है। लेकिन उसके हिस्से पर विपक्षी जबरन निर्माण कार्य कर रहे हैं। आरोपियों ने मिट्टी डालकर जानवर बांधना शुरू कर दिया है। विरोध करने पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देते हैं। सांगीपुर थानाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है, जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

न्यूज झरोखा

प्रधानाचार्य को मिली पीएचडी की उपाधि, साथियों ने दी बधाई

बेलखरनाथ धाम। प्रधानाचार्य को पीएचडी की उपलब्धि मिलने पर साथियों व क्षेत्र वासियों ने बधाई दी है।रानीगंज तहसील क्षेत्र के बिच्छूर गांव निवासी अरविन्द कुमार सिंह (55) को मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ से पीएचडी की उपाधि मिलने पर शिक्षक साथियों व क्षेत्र वासियों ने बधाई दी है।अरविन्द सिंह जनता इंटर कालेज जगनीपुर में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उनकी कामयाबी पर अशोक कुमार,ब्रह्मदत्त तिवारी,जय शंकर पाण्डेय,महेंद्र प्रताप सिंह,देवी प्रसाद पाण्डेय,मगदूम सोनी,अभिषेक मिश्र,राजेश मिश्र, राम आसरे शर्मा,राज बहादुर श्रीवास्तव सहित छात्र छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त की गई।

मुंबई में व्यापारी के निधन पर शोक की लहर

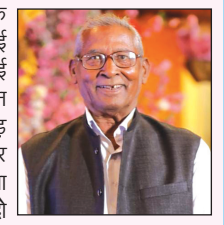

बेलखरनाथ धाम। बेलखरनाथ धाम ब्लाक के अंतर्गत शीतलागंज बाजार के व्यापार मंडल ईकाई के उपाध्यक्ष श्यामलाल जायसवाल 85 का मुम्बई के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। जिससे व्यापारीयों में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को शीतलागंज बाजार के व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दौरान कोषाध्यक्ष राजेश जायसवाल महामंत्री अजीत तिवारी, उपाध्यक्ष राजू उमरवैश्य, शिव शंकर जायसवाल, कमलेश गुप्ता, मनोज जायसवाल, विनोद जायसवाल, लालता प्रसाद सोनी, रवि सोनी, रमेश गुप्ता, विजय कुमार जायसवाल, सतीश जायसवाल, नितिन जायसवाल, बाली जायसवाल सहित अन्य व्यापारी सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे।

नितिन नवीन बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने जतायी खुशी

लालगंज। सांगीपुर की स्थानीय बाजार में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं की बैठक हुई। इसमें नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर प्रसन्नता जतायी गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि नए पार्टी अध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ता भाजपा को और अधिक मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन को यह दायित्व सौंपने से पार्टी में एक नए युग का आरंभ हो सकेगा। भाजपाईयों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुरेश सिंह व संचालन जिला संयोजक अजय वर्मा ने किया। इस मौके पर जिलामंत्री जितेंद्र वर्मा, मंडल महामंत्री रामशरण वर्मा, बूथ अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, लालजी पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, सत्यम सिंह, बाबा गिरी आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

पट्टी। सोमवार रात करीब 9 बजे चिलबिला-पट्टी मार्ग पर देवन मऊ गांव के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायल को मेडिकल कॉलेज से प्रयागराज रेफर किया गया है।कंधई थाना क्षेत्र के रत्तूपुर जयसिंहगढ़ गांव निवासी केतन सिंह (25) दीवानगंज बाजार में मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य करता है। सोमवार को वह मोबाइल से संबंधित सामान लेने प्रतापगढ़ गया था। वापसी के दौरान उसके साथ दीवानगंज बाजार निवासी बग्गा मोदनवाल (23) भी था। चिलबिला चैराहे पर दीवानगंज बाजार निवासी तंबू कुमार (22) सवारी के इंतजार में खड़ा था, जिसे केतन सिंह ने अपनी बाइक पर बैठा लिया।तीनों जब दिलीपुर थाना क्षेत्र के देवन मऊ गांव के पास से गुजर रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक रमिल कुमार मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने केतन सिंह की हालत गंभीर देखते हुए उसे प्रयागराज रेफर कर दिया।इस संबंध में उप निरीक्षक रमिल कुमार ने बताया कि तीनों घायलों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घायल छात्रा प्रियांशी का प्रयागराज में चल रहा इलाज

पट्टी। आसपुर देवसरा क्षेत्र में सोमवार को सड़क पार कर पानी पीने गई तीन छात्राओं को बाइक सवार द्वारा टक्कर मारने की घटना में गंभीर रूप से घायल छात्रा प्रियांशी का इलाज प्रयागराज स्थित दिव्य जीवन अस्पताल में चल रहा है। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, अन्य घायल छात्राएं चंदा और निशा का उपचार प्रतापगढ़ स्थित जिला अस्पताल में जारी है।इस मामले में घायल छात्रा चंदा की मां किरण पांडे पत्नी बब्बन पांडे की तहरीर पर आसपुर देवसरा थाने में अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मंगलवार को जागरण टीम जब विद्यालय परिसर पहुंची तो वहां कक्षाएं संचालित होती मिलीं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवतादीन वर्मा इस समय गंभीर रूप से घायल छात्रा प्रियांशी के साथ प्रयागराज में मौजूद हैं। मोबाइल फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि विद्यालय में लगे हैंडपंप का पानी पिछले लगभग एक माह से बदबूदार आ रहा है, जिसके कारण बच्चे मजबूरी में बाहर जाकर पानी पीने जाते थे।प्रधानाध्यापक ने बताया कि सोमवार को वह स्वयं बच्चों को पानी पिलाने के लिए विद्यालय से बाहर सड़क किनारे ले गए थे और सड़क की पटरी के पास बच्चों को लेकर खड़े थे, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्होंने बताया कि प्रियांशी को प्रयागराज में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य दो छात्राओं का इलाज जिला अस्पताल प्रतापगढ़ में चल रहा है।

आयकर कटौती एवं ई-फाइलिंग की जानकारी हेतु सेमिनार किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आयकर आयुक्त (टी0डी0एस0) लखनऊ पुनीत कुमार एवं अपर आयकर आयुक्त (टी0डी0एस0) लखनऊ सौरभ दूबे के निर्देशन में विकास भवन सभागार में संशोधन/नए सम्मिलित टीडीएस/टीसीएस प्रावधान और विभिन्न टैन के विरूद्ध लंबित मांगों पर सेमिनार/आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आयकर अधिकारी (टी0डी0एस0) सुल्तानपुर संतोष कुमार पाण्डेय द्वारा संशोधनध्नए सम्मिलित टीडीएस/टीसीएस प्रावधान और विभिन्न टैन के विरूद्ध लंबित मांगों सम्बन्धी प्रावधानो एवं सम्बन्धित त्रुटियों पर विस्तार में परिचर्चा की गयी। इस सेमिनार में वित्त अधिनियम 2025 के अनुसार नये सम्मिलित टीडीएस/ टीसीएस प्रावधानो और संशोधनों से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया और उन पर चर्चा की गयी। इसी क्रम में उनके टैन पर लम्बित मांगो, बार बार दाखिल किये गये सुधार विवरण और पहले देखे गये गैर-अनुपालन जैसे मुद्दो पर उनके परिणामो के साथ विस्तृत चर्चा की गयी।इसके अलावा सेमिनार में भाग लेने वाले डीडीओ/लेखाधिकारियों द्वारा मांगो की दोहराव, गलत टैन के विरूद्ध मांग प्रस्तुत करने तथा टीडीएस प्रावधानों पर संशय आदि के सम्बन्ध में मुद्दे उठाये गये जिनका सम्बन्धित टीम द्वारा समाधान किया गया। सेमिनार में वरिष्ठ कोषाधिकारी अनामिका सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, सहायक कोषाधिकारी भोलानाथ सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं आहरण वितरण अधिकारी उपस्थित रहे।

नोटिस जारी होने के बाद भी हो रहा अवैध कब्जा

अखंड भारत संदेश

कुंडा। सरकारी जमीन पर अवैध रूप से किए जा रहे कब्जे को लेकर तहसीलदार द्वारा नोटिस जारी कर देने के बाद भी बेखौफ भूमाफिया किस्म के लोग सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहें हैं। सरकारी जमीन पर कब्जा न रुकवाने और अवैध कब्जा धारकों के खिलाफ कोई कार्यवाही न करने से तहसील प्रशासन की कार्यवाही पर प्रश्न चिन्ह लग गए हैं।

कुंडा तहसील में भूमाफियाओं को जरा सा भी कानून का खौफ और डर नही है। तभी तो तहसीलदार द्वारा नोटिस जारी करने और अल्टीमेटम देने के बाद भी वे लगातार सरकारी जमीन पर कब्जा करके निर्माण कर रहें हैं। कुंडा तहसील के संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के काशीपुर मटन गांव में मंदिर के पास गाटा संख्या 337 ऊसर खाते की जमीन है। जिस पर विगत कई माह से दर्जनों की संख्या में गांव के ही भूमाफिया किस्म के लोग सरकारी जमीन का आपसी बंटवारा करके उस पर अवैध रूप से कब्जा करके मकान बना रहें हैं। कुछ दिन पूर्व गांव के कुछ ग्रामीणों ने मामलें की शिकायत की तो तहसीलदार कुंडा अलख शुक्ला, लेखपाल प्रेमचंद्र तथा राजस्व निरीक्षक ने बीते 18 जनवरी को नोटिस जारी करते हुए अवैध निर्माण रोकने और ध्वस्तीकरण करने का अल्टीमेटम दिया लेकिन तहसीलदार द्वारा चेतावनी देने के बाद भी अवैध कब्जाधारक बेखौफ होकर सरकारी जमीन पर बीम एवं जाल बांधकर निर्माण कर रहें हैं। जिस तरीके से नोटिस देने के बाद भी अवैध कब्जाधारक निर्माण कर रहें हैं, उससे तहसील प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में एसडीएम कुंडा वाचस्पति सिंह का कहना है कि सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को रुकवा दिया गया है। यदि फिर भी अवैध निर्माण हो रहा है तो ध्वस्तीकरण के साथ अन्य विधिक कार्यवाही की जाएगी।

नगर पंचायत ढकवा में टेंडर प्रक्रिया पर सवाल

- विज्ञापन के बावजूद नहीं मिले निविदा प्रपत्र, दिनभर भटकते रहे ठेकेदार

पट्टी। नगर पंचायत ढकवा में सोमवार को निविदा प्रपत्र (टेंडर फॉर्म) की बिक्री को लेकर गंभीर अव्यवस्था सामने आई। समाचार पत्रों में विधिवत विज्ञापन प्रकाशित होने के बावजूद निर्धारित तिथि पर ठेकेदारों को निविदा प्रपत्र उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आसपुर देवसरा के नगर पंचायत ढकवा द्वारा विभिन्न विकास कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं, जिनके प्रपत्रों की बिक्री हेतु 19 जनवरी 2026 की तिथि निर्धारित थी। विज्ञापन के अनुसार ठेकेदार सुबह 10 बजे नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे, लेकिन सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें टेंडर फॉर्म नहीं मिल सके। ठेकेदारों का आरोप है कि अधिशासी अधिकारी (ईओ) तथा संबंधित लिपिक धर्मेन्द्र कुमार पूरे दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं रहे। जब इस संबंध में कार्यालय के अन्य कर्मचारियों से जानकारी ली गई, तो उन्होंने भी अधिकारियों की अनुपस्थिति की पुष्टि करते हुए किसी प्रकार की जानकारी होने से इनकार कर दिया। कार्यालय सहायक मनोज कुमार, सफाई नायक अभिषेक सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने लिखित रूप में यह स्पष्ट किया कि अधिकारियों के न आने के कारण निविदा प्रपत्रों की बिक्री नहीं हो सकी। निविदा प्रपत्र न मिलने से नाराज आधा दर्जन से अधिक ठेकेदारों ने अधिशासी अधिकारी को संबोधित एक लिखित पत्र सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। विरोध करने वालों में प्रमुख रूप से श्री सिद्धि विनायक एंटरप्राइजेज, रामजीत सिंह, एस.पी. एंटरप्राइजेज, विवेक सिंह, कैलाश कंस्ट्रक्शन, प्रवीण सिंह, एम्ब्रेल्ड मैनेजमेंट, आदि के ठेकेदारों का कहना है कि निर्धारित तिथि पर निविदा प्रपत्र उपलब्ध न कराना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता भी प्रभावित होती है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं उच्चाधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र कार्रवाई करने तथा पुनः तिथि निर्धारित कर निविदा प्रपत्र उपलब्ध कराने की मांग की है।

रंजिश में महिला की पिटाई को लेकर दो आरोपियों पर केस

लालगंज। महिला की पिटाई में जेठ व जेठानी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। लालगंज कोतवाली के बेलहा मुड़ियन का पुरवा गांव निवासी मीना देवी पत्नी बृजेंद्र वर्मा ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि उसके पति हरियाणा में ईट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। पीड़ित महिला के मुताबिक 14 जनवरी को जेठ राजेश पुत्र रामसजीवन व जेठानी बबली पत्नी राजेश ने एक राय होकर गालियां देते हुए लाठी व डण्डा से मारने लगे। शोर मचाने पर उसकी सास बीचबचाव करने आई तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते चले गए। उसके बाद से आरोपी लगातार जानलेवा धमकी दे रहे है। लालगंज के प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने बताया कि जांच के बाद केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गायत्री डेंटल क्लीलिक पट्टी की टीम पहुंची सेमीफाइनल में

अखंड भारत संदेश

पट्टी। मेला ग्राउण्ड में चैम्पियंन ट्राफी के चैथे दिन तीन मैच खेला गया। जिसमें गायत्री डेंटल क्लीलिक की टीम सेफीफाइनल में प्रवेश करने वाली चैथी टीम बन गई। पहला मैच मैच संगम 11 प्रयागराज व गोविन्दपुर के बीच खेला गया। जिसमें गोविन्दपुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में शिवा के 60 रनों की मदद से 149 रन बनाए। जिसके जवाब में संगम 11 प्रयागराज की टीम सिर्फ 81 रन ही बना पाई और वह यह मैच हार गई। दूसरा मैच गायत्री डेंटल क्लीनिक पट्टी व आशीष 11 के बीच खेला गया। जिसमें गायत्री डेंटल क्लीनिक के टीम ने निर्धारित आठ ओवरों में टीपू के 116 रनों की मदद से 167 रन बनाए। जिसके जवाब में आशीष 11 की टीम चार विकेट खोकर 74 रन ही बना पाई जिससे गायत्री डेंटल क्लीनिक ने यह मैच जीत लिया। तीसरा मैच क्वार्टर फाइनल मैच गायत्री डेंटल क्लीनिक पट्टी व गोविन्दपुर के बीच खेला गया। जिसमें गोविन्दपुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित आठ ओवरों में 99 रन बनाए। जिसके जवाब में गायत्री डेंटल क्लीनिक पट्टी की टीम ने टीपू के 56 व लोकेश के 39 रनों की मदद से पांचवे ओवर में ही यह मैच जीतकर सेफीफाइनल में प्रवेश कर गई। अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि टूनार्मेंट का दो सेफीफाइनल व फाइनल 24 जनवरी को खेला जायेगा। मैच में आम्परिंग गोलू सिंह, सहबान व पंकज सिंह ने कममेंटरी रवि सिंह व अश्विनी ने किया। स्कोरिंग रवीन्द्र मिश्रा ने किया। यहां पर कमेटी के गौरव श्रीवास्तव, अतुल सिंह, शीतला सरोज, रोहित वर्मा, चन्दन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला से टप्पेबाजी कर सोने का टप्स ले उड़े उचक्के, दर्ज हुआ केस

लालगंज। खेत में काम करने गई महिला को झांसा देकर उचक्के सोने की टप्स लेकर भाग निकले। शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस जांच की जा रही है। उदयपुर थाना के पूरे बक्शी निवासी अरविंद सोनी पुत्र जीतलाल ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि 19 जनवरी को उनकी माँ कलावती सोनी अपने खेत की देख रेख करने गयी थी। इस बीच बाइक सवार दो उचक्के पहुँचे और कान में पहना गया सोने की टप्स एक निकलावा लिया। इससे पहले वह कुछ समझ पाती, उचक्के टप्स लेकर भाग निकले। उदयपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही उचक्कों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पट्टी। आसपुर देवसरा पुलिस ने अंतर्जनपदीय अभियुक्त को अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के आकारीपुर गांव निवासी राजेश तिवारी उर्फ जज्जे के विरुद्ध जौनपुर व प्रतापगढ़ जनपद के विभिन्न थानों में कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।पूछ-ताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं तथा कई लोगों से उसकी दुश्मनी है। इसी कारण अपनी सुरक्षा के लिए उसने 30 बोर की अवैध पिस्तौल खरीदकर अपने पास रखी थी।पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अपमान अक्षम्य : प्रमोद तिवारी

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मौनी अमावस्या पर्व पर तीर्थराज प्रयाग में जगदगुरू स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महराज और उनके शिष्यों तथा सन्तों की टोली के अपमान को लेकर भाजपा की तगड़ी घेराबंदी की है। उन्होने कहा कि किसी भी कीमत पर सरकार और प्रशासन को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी और उनके साथ स्नान करने जा रहे संतो व शिष्यों के अपमान से जुडे इस प्रकार के कदम से बचना चाहिए था। उन्होने कहा कि भाजपा संस्कृति और धर्म का ढ़िढोरा सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए ही पीटा करती है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा के राज में संत और महात्माओं तथा शंकराचार्य जैसे सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक की भी गरिमा सुरक्षित नही है। उन्होने कहा कि इस प्रकार के घटना से पूरे देश के श्रद्धालुओं की भावनाओं पर भी आघात पहुंचा है। सांसद प्रमोद तिवारी ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के अपमान की घटना की कठोरतम निंदा भी की है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार को शंकराचार्य और संत महात्माओं के अपमान को लेकर देश के सामने अपनी जबाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। वही उन्होने वाराणसी में मंदिरो के तोडफोड की कार्रवाई को भी भाजपा का अक्षम्य अपराध कहा है। सांसद प्रमोद तिवारी का यह बयान मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से मंगलवार को यहां निर्गत हुआ है।

अपमानजनक टिप्पणी को लेकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है। उदयपुर थाना के कुम्भीआइमा निवासी इरफान पुत्र लियाकत पेशे से अधिवक्ता हैं। अधिवक्ता इरफान ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि थाना क्षेत्र के मकदूमपुर निवासी अजय मिश्र पुत्र विंदेश्वरी द्वारा सांसद प्रमोद तिवारी को लेकर सोशल मीडिया पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक बीती उन्नीस जनवरी को उसने फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी को देखा। शिकायतकर्ता ने तहरीर में कहा है कि इससे जनता में आक्रोश उत्पन्न हुआ है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी अजय मिश्रा के खिलाफ आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है।

सार्वजनिक नाली बंद करने का आरोप

पट्टी। तहसील क्षेत्र के उसरौली गांव निवासी किशन यादव ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव में बनी सार्वजनिक पक्की नाली को गांव की एक महिला द्वारा बंद कर दिया गया है। नाली बंद होने से पानी का निकास नहीं हो पा रहा है, जिससे गंदा पानी जमा हो रहा है और संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।पीड़ित का कहना है कि उक्त नाली के माध्यम से गांव के पानी की निकासी होती है। नाली अवरुद्ध होने से आसपास के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस संबंध में जिला अधिकारी पूर्णेन्द्र मिश्रा ने बताया कि पीड़ित द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया है। मामले की जांच कराई जा रही है और शीघ्र ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

अस्पताल से दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार पिता-पुत्र की सड़क हादसे में मौत

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के साईं का पुरवा खारा गांव निवासी पिता पुत्र दोनों लोग मंगलवार को बाइक से दवा करवाने भरवारी कस्बे के अस्पताल गए थे जहां से दवा करवाने के बाद पिता पुत्र बाइक से मंगलवार शाम 5 बजे वापस अपने गांव जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार पिता पुत्र कोखराज थाना क्षेत्र के रसूलपुर गिरसा चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार बालू वाहन ने पिता पुत्र की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे पिता पुत्र दोनों सड़क पर गिर पड़े हैं और घटना स्थल पर तड़प तड़प कर दोनों की दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना देखकर आसपास के सैकड़ो लोग घटनास्थल पर पहुंचे हैं मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने पिता पुत्र दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दो लोगों की मौत की जानकारी मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया है और रोते बिलखते परिजन रिश्तेदार भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बिदनपुर गांव के मजरा साईं का पूरा खारा गांव निवासी अरविंद कुमार उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र बुधराम अपने पिता बुधराम उम्र 50 वर्ष पुत्र छेदीलाल को बाइक में लेकर के भरवारी बाजार के अस्पताल में मंगलवार को इलाज करवाने गए थे इलाज के बाद पिता पुत्र दोनों लगभग 5:00 बजे बाइक से वापस अपने गांव साईं का पूरा खारा बिदनपुर जा रहे थे जैसे ही पिता पुत्र कोखराज थाना क्षेत्र के रसूलपुर गिरसा चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार बालू वाहन ने पिता पुत्र की बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया है जिससे पिता पुत्र दोनों बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े हैं और दुर्घटना स्थल पर ही पिता पुत्र दोनों की तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना देखकर घटनास्थल पर सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई है मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने पिता पुत्र दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा है जहां डॉक्टरों ने दोनों के मौत की पुष्टि कर दी है दुर्घटना की जानकारी जैसे ही घर परिवार को लगी पूरे परिवार में कोहराम मच गया है घटनास्थल पर रोते बिलखते परिवार रिश्तेदार और गांव के लोग पहुंच गए हैं।

दो लोगों की मौत की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर मचा कोहराम

यातायात नियंत्रण में फेल हुई यातायात पुलिस

कोखराज कौशांबी जिले में यातायात नियंत्रण में यातायात प्रभारी फेल हो चुके हैं पूरे जिले में तेज गति से वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं जिस पर यातायात पुलिस नियंत्रित नहीं कर रहे हैं बल्कि यातायात पुलिस ओवरलोड तेज गति वाहन से वसूली तक सीमित रह गई है जिससे जिले में दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ी है और दुर्घटनाओं में लोगों की मौत भी हो रही है यातायात व्यवस्था को नियंत्रित न कर पाने वाले यातायात प्रभारी के कारनामे को संज्ञान लेकर इन्हें निलंबित कर इन पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग आम जनता ने पुलिस अधिकारियों से की है।

भदोही से 20 लाख का ड्रग्स लेकर मुंबई जा रहा तस्कर गिरफ्तार

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी दवा की कालाबाजारी करने वाले तस्कर को कौशांबी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है भदोही से 20 लाख का ड्रग्स लेकर मुंबई जा रहा तस्कर संदीप कुमार रजक पुत्र मंगली प्रसाद निवासी भादवा थाना कोखराज के सोमवार की रात में चेकिंग के दौरान कोखराज थाना पुलिस ने टेढ़ीमोड़ बस अड्डे से गिरफ्तारी की है गिरफ्तार तस्कर के पास से नगदी और मोबाइल भी पुलिस ने बरामद किया है हालांकि कौशांबी में भी लंबे समय से दवाओं की कालाबाजारी का गोरख धंधा तेजी से पनप रहा है और कई लोग दवा के काले कारोबार में कौशांबी में भी शामिल है पूछताछ में पकड़े गए माफिया ने भदोही से दवा खरीदने की बात कबूल किया है जबकि उसने पुलिस को गुमराह किया है और कौशांबी से दवा के काला कारोबार में यह लंबे समय से शामिल था नशे के नेटवर्क में शामिल अन्य तस्करों की सरगर्मी से पुलिस तलाश कर रही है गिरफ्तारी के लिए एसपी राजेश कुमार ने एसओजी, सर्विलांस सेल को अलर्ट किया है-एसपी ने कहा कि कोई भी अपराधी नहीं बख्से जाएंगे थाना प्रभारी कोखराज चंद्रभूषण मौर्य द्वारा लगातार अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश लेखा एवं परीक्षा सेवा एसोसिएशन का हुआ गठन

बेसिक शिक्षा विभाग के लेखाकार थानेश्वर सिंह संगठन के अध्यक्ष और जितेंद्र प्रकाश सिंह लेखाकार कृषि विभाग वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए गए हैं

कौशांबी उत्तर प्रदेश लेखा एवं परीक्षा सेवा एसोसिएशन जनपद इकाई कौशांबी के पदाधिकारी के चुनाव के लिए सोमवार को जनपद मुख्यालय मंझनपुर के विकास भवन स्थित सरस हाल में विभिन्न कार्यालय में कार्यरत लेखा एवं लेखा परीक्षक कर्मियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें उत्तर प्रदेश लेखा एवं परीक्षा सेवा एसोसिएशन जनपद कौशांबी की नवीन कार्यकारिणी करने का निर्वाचन सर्वसम्मति से हुआ है उपासा के संरक्षक राजेश कुमार निगम सहायक लेखा अधिकारी कृषि विभाग बनाए गए हैं थानेश्वर सिंह लेखाकार बेसिक शिक्षा विभाग संगठन के अध्यक्ष और जितेंद्र प्रकाश सिंह लेखाकार कृषि विभाग वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए गए हैं ग्राम विकास विभाग से प्रदीप कुमार कुशवाहा लेखाकार मंत्री वा मुकुंद कृष्ण लाल कोषाध्यक्ष वा सुरेंद्र कुमार साहू आडिटर वा विनय मंगलानी उपाध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मत से निर्वाचित हुए हैं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात लेखाकार रवींद्र वर्मा संयुक्त मंत्री और विजय कुमार सिंह बीएसए कार्यालय के लेखाकार उप मंत्री के पद पर निर्वाचित हुए हैं ग्राम विकास विभाग में तैनात लेखाकार अर्जुन सिंह और उद्यान विभाग में कार्यरत लेखाकार आशुतोष कुमार चौधरी एसोशिएशन के सदस्य निर्वाचित हुए हैं नवीन कार्यकारिणी के निर्वाचन के बाद निर्वाचित पदाधिकारी को बधाई दी गई है और एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी से कमर्चारी हित में कार्य करने की उम्मीद जताई गई है।

एसपी के निर्देश के बाद भी हमलावरों को थाना पुलिस ने नहीं किया गिरफ्तार

एक महीने पूर्व पिता पुत्र पर हमला करने वाले खुलेआम घूम रहे हैं आरोपी

कौशांबी एक महीने पूर्व पिता पुत्र पर प्राण घातक हमला किया था फरियादी ने 16 जनवरी को पुलिस अधीक्षक से फरियाद करने के बाद हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की थी जिस पर पुलिस अधीक्षक ने हमलावरों की गिरफ्तारी का निर्देश चरवा थाना पुलिस को दिया था लेकिन एसपी के निर्देश के 5 दिन बाद भी थाना पुलिस ने हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं की है चरवा थाना क्षेत्र के फरीदपुर सुलेम निवासी हरिप्रसाद पुत्र बिंदेश्वरी प्रसाद वा उनके बेटे अनिल कुमार पर 22 दिसंबर की रात 10:00 बजे घर में घुसकर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडा और धारदार हथियार से प्राण घातक हमला गांव के कृष्ण मुरारी और उनके बेटे राहुल ने किया था जिससे पिता पुत्र दोनों गंभीर घायल हो गए हैं थाना पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 255 सन 2025 चरवा थाने में दर्ज कर लिया है घटना को एक महीने बीत चुके हैं लेकिन हमला करने वाले दोनों आरोपियों कृष्ण मुरारी और राहुल की गिरफ्तारी अभी तक थाना पुलिस ने नहीं की है मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद मुकदमा वापस लेने के लिए पिता पुत्र दोनों बार-बार फिर पीड़ित को गाली गलौच दे रहे हैं देख लेने की धमकी दे रहे हैं जिससे पीड़ित घायल परिवार भयभीत है प्राण घातक हमले के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के बाद थाना पुलिस के कार्यों पर सवाल खड़े हो गए हैं पीड़ित परिवार 16 जनवरी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और एसपी से फरियाद कर हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की पुलिस अधीक्षक ने थाना पुलिस से ऑनलाइन संवाद कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिया लेकिन फरियाद के 5 दिन बाद भी थाना पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी नही किया जबकि आरोपी खुले आम घूम रहे हैं।

पक्का तालाब मूरतगंज का सौन्दयीकरण कराए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के डीएम ने दिए निर्देश

खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय मूरतगंज का डीएम ने किया निरीक्षण

शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी अनुश्रवण करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

हररायपुर कौशांबी जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय मूरतगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने तहसील दिवस पंजिका, आईजीआरएस पंजिका एवं जनसुनवाई पंजिका के अवलोकन के दौरान शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नम्बर अंकित न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी गिरिजेश प्रसाद से कहा कि शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नम्बर अवश्य अंकित किया जाय तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी अनुश्रवण किया जाय। मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण किया जाय। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत लक्ष्य के सापेक्ष स्वयं सहायता समूह के गठन की जानकारी प्राप्त करते हुए बीएमएम से कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष समूह का गठन किया जाय एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाय। जिलाधिकारी ने एपीओ. से मनरेगा के कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गांरटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 का प्रचार-प्रसार किया जाय। उन्होंने अधिशासी अधिकारी, भरवारी से दूरभाष पर वार्ता कर पक्का तालाब का सौन्दयीकरण कराए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

लगातार 13वीं बार सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष बने नर नारायण मिश्रा

51 वर्षों का कीतिर्मान रचने वाले नर नारायण मिश्र एडवोकेट निविरीध निर्वाचित

कौशांबी उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी ग्राम्य विकास बैंक मंझनपुर के अध्यक्ष सभापति पद के निर्वाचन में लगातार तेरहवीं बार नर नारायण मिश्रा एडवोकेट निर्वाचित हुए हैं लगातार 51 वर्षों से भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष के रूप में सेवा देकर कीतिर्मान स्थापित करने वाले क्षेत्र के गौरव नर नारायण मिश्र एडवोकेट भारतीय जनता पाटी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में निविरोध निर्वाचित घोषित किए गए।निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनके अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया, जिसके चलते निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें निविरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर समथर्कों ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा ऐतिहासिक विजय के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि नर नारायण मिश्र एडवोकेट मंझनपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख, डी.सी.एफ. प्रयागराज कौशाम्बी के पूर्व अध्यक्ष,तथा जिला अधिवक्ता संघ के प्रथम एवं संस्थापक अध्यक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का गरिमापूर्ण निर्वहन कर चुके हैं। सहकारिता, समाज सेवा एवं विधिक क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय एवं प्रेरणास्पद रहा है।इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप पांडे, सदर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हुबलाल दिवाकर, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनुदेव त्रिपाठी, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अंकित त्रिपाठी, सिराथू अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बालेंद्र धर द्विवेदी, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पप्पू मिश्रा , चंद्रदत्त शुक्ला तथा अशोक मिश्र एडवोकेट दीपक मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।लगभग आधी सदी से अधिक समय तक किसी सहकारी संस्था के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में उनका निरंतर और गौरवशाली सफर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनके निविरोध निर्वाचन से समथर्कों एवं सहकारिता जगत में उत्साह का माहौल व्याप्त है। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष आशीष कुमार पप्पू मिश्रा ने कहा किय यह गौरव गौरवपूर्ण है इसके लिए हम जितनी प्रशंसा करें वह कम है।

घर में ताला बंद कर परिवार के लोग पहुंचे माघ मेला, 10 लाख का सामान उठा ले गए चोर

इलाके में अपराधिक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं जिससे आम जनता भयभीत दिखाई पड़ रही है

अपराधी घटनाओं को रोकने में कारगर साबित होती नहीं दिख रही पुलिस जांच पड़ताल के नाम पर लकीर पीटती है पुलिस

अखंड भारत संदेश

कौशांबी सराय अकिल थाना क्षेत्र के उस्मानपुर बिगाहरा गांव के सूर्यभान त्रिपाठी के घर के लोग प्रयागराज जनपद के माघ मेला क्षेत्र में कल्प वास करते हैं घर में ताला बंद करके पूरे परिवार के लोग माघ मेला क्षेत्र कल्पवास चले गए कुछ महिलाएं मायके चली गई जिससे घर में ताला बंद हो गया खाली घर देख करके चोर उचक्के सक्रिय हुए और बीती रात घर में बंद ताला को तोड़कर के जमकर उत्पात मचाया है जेवर कपड़े नगद रुपए से भरी अलमारी को गांव से बाहर चोर उठा ले गए हैं और अलमारी को तोड़कर उसमें रखा सोने चांदी का जेवर 20000 नगद वा अन्य सामान अलमारी से चोर निकाल ले गए हैं वारदात के बाद गांव के बाहर अलमारी फेंक दी गई है और सामान बिखरा हुआ पड़ा था घर के अंदर भी सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे जब परिवार के लोग वापस घर पहुंचे तो देखा कि उनके घर से सामान गायब है सोना चांदी के जेवर और नगद रुपए चोर उठा ले गए हैं मामले की सूचना परिवार के लोगों ने थाना पुलिस को दी है लेकिन पुलिस केवल जांच पड़ताल के नाम पर लकीर पीटती रह गई है 10 लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर के चोरी की इस घटना में थाना पुलिस किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है इलाके में अपराधिक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं जिससे आम जनता भयभीत दिखाई पड़ रही है थाना पुलिस अपराधी घटनाओं को रोकने में कारगर साबित होती नहीं दिख रही है।

देश के कण कण में हैं महात्मा गांधी : गौरव पाण्डेय

कौशांबी कांग्रेस पाटी के शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में मंगलवार को मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत मंझनपुर विधानसभा के कौशाम्बी ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा बेरौचा में चौपाल लगाकर लोगों के बीच मनरेगा के नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष गौरव पांडे ने उपस्थित लोगों के साथ बातों को रखा जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कांग्रेस अपनी जन नीतियों के साथ जनता के लिए सोचती थी कांग्रेस के समय में पेट्रोल,डीजल, गैस एवं खाद्य सामग्रियां इतनी महंगी कभी नहीं थी कांग्रेस जन उद्धार चाहती थी.! इसके बाद मनरेगा कार्यक्रम के को आर्डिनेटर एवं जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम ने कहा कांग्रेस पाटी हमेशा महात्मा गांधी के विचारों पर चलने वाली पाटी है हम जनता के अधिकार की लड़ाई गांधीवादी तरीके से लड़ते रहेंगे। तत्पश्चात जिला महासचिव शशि मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकारें कर्ज में डूबी है कांग्रेस सरकार ने देश को हर तरीके से सक्षम बनाया वर्तमान भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण कर अपना मतलब साध रही है हमारे आदर्श महात्मा गांधी जी जिन्होंने भारत की आजादी में अपना बहुमूल्य योगदान दिया उनकी भी भाजपा सगी नहीं है कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय बाबू जी,महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद,सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,चुन्नी लाल मिश्रा बालचंद्र प्रसाद तिवारी,जगमोहन सरोज, कमलेश मिश्रा,राजेश मिश्र,गुलाब यादव, यज्ञ देव पाण्डेय ,ब्रह्मि भूषण मिश्रा,दीपक शर्मा,सीमा देवी,रंजना देवी मोहम्मद मिज़ान,प्रभावती देवी,सुशीला देवी,नरेश कुमार,अमर पाल सोमनाथ सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे.

मातृ स्वास्थ्य को लेकर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने मूरतगंज में किया निगरानी

हररायपुर कौशांबी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज में मंगलवार को आयरन सोर्सेज का आयोजन किया गया इस आयोजन में मातृ स्वास्थ्य और एचआरपी नियंत्रण पर विशेष जोर दिया गया गर्भवती महिलाओं में एनीमिया नियंत्रण और हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर सुरक्षित मातृत्व को सुनिश्चित करना बैठक का उद्देश्य था गर्भवती महिलाओं को लगाए गए एनीमिया नियंत्रण की कुल संख्या इंजेक्शन सहित सत्यापन और दवाओं की पहचान एवं समय पर उपयोग आदि का आडिट किया गया बैठक में स्पष्ट किया गया कि एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं के लिए आयरन सोर्सेस एक अत्यंत प्रभावी एवं जीवन रक्षक उपचार है जिससे हीमोग्लोबिन स्तर में तेजी सुधार होता और जटिल प्रसव अधिक रक्त स्राव एवं मातृ शिशु जोखिम को कम किया जा सकता है समय पर जांच पर विशेष बल दिया गया है बैठक में खंड विकास अधिकारी मूरतगंज प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मूरतगंज डॉक्टर कुश शर्मा बीपीएम चंद्रकांत पांडे स्टाफ नर्स अचर्ना फार्मासिस्ट राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे

नारायण स्वरूप का सेवा अभियान : हर वर्ग तक स्वास्थ्य

कौशाम्बी नारायण स्वरूप हॉस्पिटल एवं नारायण स्वरूप इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस के संयुक्त तत्वावधान में काजीपुर, तेरामील, काजीपुर में निशुल्क स्त्री रोग परामर्श शिविर का सफल आयोजन सोमवार को किया गया। डॉ. सोनिया सिंह स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में गायनकोलॉजी विभाग एवं सजरी विभाग का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर दिनांक 19.01.2026 को आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 150 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।शिविर के दौरान महिलाओं को निशुल्क स्त्री रोग परामर्श,निशुल्क जांच तथा निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में डॉ. सोनिया सिंह स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदिता ठाकुर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं डॉ. शेफाली एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जन ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करते हुए मरीजों का परामर्श किया। जांच के दौरान लगभग 12 महिलाओं में बच्चेदानी (यूट्रस) का ट्यूमर पाया गया, जिन्हें आधुनिक दूरबीन लैप्रोस्कोपिक विधि से ऑपरेशन की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त करीब 15 मरीज पाइल्स बवासीर की समस्या से पीड़ित पाए गए, जिन्हें लेजर तकनीक द्वारा उपचार कराने की सलाह दी गई। शिविर में मरीजों को बीमारियों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि स्वच्छ एवं संतुलित भोजन शुद्ध पेयजल का उपयोग नियमित दिनचर्या पर्याप्त नींद एवं स्वच्छता अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।नारायण स्वरूप हॉस्पिटल में डॉ. सोनिया सिंह के मार्गदर्शन में नियमित अंतराल पर स्त्री रोग से संबंधित विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि महिलाओं से जुड़ी गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान हो सके और उनका समुचित उपचार किया जा सके। यह प्रयास इस सोच के साथ किया जाता है कि स्वास्थ्य सेवा समाज के हर वर्ग और हर व्यक्ति तक पहुंचे। इसके साथ ही शिविर के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। मरीजों को योजना की जानकारी दी गई तथा पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत निशुल्क और कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई। कई मरीजों को इस योजना के अंतर्गत उपचार पहले भी मिल चुका है और भविष्य में भी उन्हें लाभ दिलाने का आश्वासन दिया गया।डॉ.सोनिया सिंह ने इस अवसर पर कहा कि नारायण स्वरूप हॉस्पिटल में सेवा कार्य केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाला संकल्प है। हमारा उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सुविधाएं केवल कुछ लोगों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।इस शिविर का सफल आयोजन अस्पताल मैनेजर एस.बी.राय के नेतृत्व में किया गया, जिनके समन्वय से शिविर को सुचारु रूप से संचालित किया गया। नारायण स्वरूप हॉस्पिटल एवं नारायण स्वरूप इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई गई, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें।

उक्त जानकारी डॉ. राजीव सिंह मोबाइलः 9336304050 नारायण स्वरूप अस्पताल मुंडेरा, प्रयागराज ने दिया है।

महिलाओं को निशुल्क स्त्री रोग परामर्श, निशुल्क जांच तथा निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया

न्यूज झरोखा

फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशांबी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने मंगलवार को उदयन सभागार में फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा की बैठक में उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री लक्ष्य 237892 के सापेक्ष 160284 कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं शेष 77608 कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री कार्य किया जाना है। उन्होंने कहा कि जनपद में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों में से 133806 कृषकों के फार्मर रजिस्ट्री कार्य हो चुका है एवं 51144 कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री कार्य किया जाना है जिलाधिकारी ने उप कृषि निदेशक से कहा कि कृषि विभाग के कार्मिकों एवं अन्य विभाग के कार्मिकों द्वारा किए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति आख्या प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाय। इसके साथ ही उन्होंने कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शासन की प्राथमिकता का कार्य है, ग्राम प्रधान एवं लाभार्थियों से समन्वय कर प्रगति सुनिश्चित किया जाय बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

छात्र छात्राओं को निपुण बनाने के लिए शिक्षकों के साथ हुई बैठक

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी कड़ा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय अंदावा में शहजादपुर संकुल की संकुल स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित एआरपी शबीना बानो ने सभी शिक्षकों को बताया कि कक्षा एक व दो के बच्चों का निपुण आकलन असिसमेंट कराने का रोस्टर डायट ने जारी कर दिया है। जिसे देखते हुए सभी प्रधानाध्यापक बचे हुए शेष दिनों में सभी बच्चों को प्रैक्टिस सेट से लगातार आकलन का अभ्यास कराए जिससे डायट से आने वाले प्रशिक्षुओं के माध्यम से किए जाने वाले निपुण असिसमेंट में शत प्रतिशत बच्चे निपुण हो सके और आपका विद्यालय निपुण श्रेणी की विद्यालय के आ सके। इसके लिए अभिभावकों के साथ बैठक कर उन्हें भी वस्तु स्थितियों से अवगत कराएं। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व एआरपी रामकृष्ण साहू ने कहा कि इसके लिए अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को प्रतिदिन शत प्रतिशत स्कूल आने के लिए प्रेरित करें जिससे आकलन वाले दिन कोई छात्र अनुपस्थित न होने पाएं और शत प्रतिशत बच्चों का निपुण आकलन पूरा किया जा सके। इसके साथ ही कक्षा में शिक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षण प्रदान किए जाने पर विचार विमर्श हुआ। शिक्षकों को शिक्षक संदर्शिका के माध्यम से पढ़ाए जाने को प्रेरित किया गया जिसमें शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग आवश्यक रूप से किया जाएं। एआरपी ने जनवरी माह के ईको क्लब की गतिविधियां पोर्टल पर अपलोड करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानाध्यापक विद्या पांडेय, मनोज द्विवेदी, अरुण मिश्रा, अखिलेश पांडेय, शिवबरन व शिक्षिका अजरा मुस्तफा, प्रतिभा सिंह, माया सिंह, शिक्षक संकुल रिया सेठी, संतोष कुमार, राकेश सिंह , प्रदीप सिंह राम,प्रकाश तिपाठी सहित संकुल के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

अदालत से रोक के बाद निर्माण करने पहुंचे दबंग जमकर हुआ विवाद कई लोग हुए घायल

तिल्हापुर मोड़ कौशांबी पिपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर मोड में चुन्नन ख़ां और अंजनी यादव के बीच में लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा है जमीनी विवाद का यह मामला अदालत की चौखट पर पहुंचा है जिस पर अदालत ने जमीन में किसी प्रकार का निर्माण करने से रोक लगा दिया लेकिन अदालत के आदेश की अवहेलना करते हुए अंजनी यादव मंगलवार को दजर्नों मजदूर लेकर के निर्माण करने विवादित जमीन पर पहुंचे और विवादित जमीन पर पिलर भरवा कर निर्माण शुरू कर दिया इसी बीच निर्माण की जानकारी चुन्नन ख़ां के पक्ष को हुई तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण रोकने का प्रयास किया विवादित जमीन पर निर्माण के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए इस बीच जमकर ईट पत्थर चले पास में राहुल अग्रहरि की दुकान है ईट पत्थर से राहुल अग्रहरि की दुकान के सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया है और राहुल अग्रहरि का काफी नुकसान हुआ है ईट पत्थर लगने से दो लोग घायल हो गए हैं अदालत से रोक के बाद जमीन निर्माण और मौके पर तनाव की जानकारी मिलते ही भारी पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुंची है और दोनों पक्ष के लोगों को पकड़ कर थाना ले गई है सवाल उठता है कि जब अदालत से स्थगन आदेश था तो किसके संरक्षण में दबंग जमीन का निर्माण कर रहे थे जिससे विवाद की स्थिति बनी है संरक्षण देने वाले की जांच कर उस पर भी कार्रवाई किए जाने की जरूरत है जिससे दोबारा इस तरह की घटना क्षेत्र में ना हो

अदालत में जमीन का लंबित मुकदमा दबंगों ने बंद कर दिया रास्ता

कौशांबी सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत कनवार के मजरा धुमाई गांव में रास्ते की जमीन को लेकर विवाद की स्थिति है जमीन के रास्ते को लेकर जिला अधिकारी की अदालत में ग्रामीणों ने मुकदमा दाखिल किया मंगलवार को मुकदमे की तारीख जिला अधिकारी की अदालत में थी जिस पर गांव के तमाम लोग मुकदमे में उपस्थित होने जिला अधिकारी की अदालत पहुंचे और जब जिलाधिकारी की अदालत से ग्रामीण वापस गांव पहुंचे तो देखा कि जिस जमीन के रास्ते में विवाद है उस जमीन में बल्ली बांस लगा करके गांव के मिथलेश तेरसिया कमलेश अवधेश आदि दबंगों ने रास्ते को बंद कर दिया है जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतें होती है अदालत में विचाराधीन मुकदमे के बाद जमीन के रास्ते को बंद किए जाने के बाद बड़े सवाल खड़े हैं मामले को लेकर गांव के अमृतलाल गोवर्धन अशोक कुमार सीताराम संतोष कुमार सोनेलाल केशमती राजकुमारी सुशीला देवी प्रेमा देवी राधेलाल बुद्धि लाल फुलन देवी जगपाल शिवरानी राम आसरे कमला देवी कुंतल देवी रामादेवी उषा देवी शिवपति गुजराती देवी चंद्रावती देवी ननकी देवी राम देवी कमला देवी सहित दजर्नों पीड़ित ग्रामीण लोग पुलिस चौकी अझुवा पहुंचे हैं और अदालत से रोक के बाद रास्ते को बंद करने वाले लोगों पर कायर्वाही की मांग की है

मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण में गंदगी से भरा मिला वन स्टाप सेन्टर

कौशांबी मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 02 महिलायें एवं 06 बालिकायें आवासित पाई गई।मुख्य विकास अधिकारी ने वन स्टाप सेन्टर में मिलने वाली सुविधाओं-अल्पावास, भोजन, परामर्श, पुलिस सहायता एवं कानूनी सहायता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन स्टाप सेन्टर में पीड़िताओं के आवासन कक्ष एवं परिसर में समुचित साफ-सफाई न पाये जाने पर जिला प्रोबेशन अधिकारी को साफ-सफाई, रंगाई-पोताई एवं मरम्मत कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए केन्द्र प्रबन्धक ने पीड़िताओं के आवासन की समस्त सुविधाओं सहित एक अतिरिक्त कक्ष के निर्माण कराये जाने की मांग की, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने वन स्टॉप सेन्टर परिसर में समस्त सुविधाओं सहित पीड़िताओं के आवासन कराये जाने के लिए 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

अजीत डोभाल की बदला लेने की बात में अन्तर्निहित खतरनाक परिणाम का भय

हम अच्छी तरह जानते हैं कि हिंसा के कई नतीजे होते हैं। इसका असर शारीरिक घटनाओं के होने से पहले ही शुरू हो जाता है, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के रूप में सामने आता है। इंसानी सेहत पर शारीरिक असर जल्द ही चोट, विकलांगता और मौत के रूप में देखा जा सकता है। आर्थिक गतिविधि और शिक्षा कार्यक्रम भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। उलटी-सीधी बातों से भरे एक भाषण में, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने, एक बारीक लेकिन साफ तरीके से, युवाओं से बदला लेने का विचार अपनाने को कहा है। 10 जनवरी 2026 को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में लगभग 3,000 युवाओं की एक सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि हालांकि बदला 'एक अच्छा शब्द नहीं है,' फिर भी यह 'एक बहुत बड़ी ताकत' हो सकता है। उन्होंने दर्शकों से इतिहास का बदला लेने और देश को एक बार फिर महानता की ओर ले जाने का आग्रह किया- न केवल सीमा सुरक्षा के मामले में, बल्कि अर्थव्यवस्था, सामाजिक विकास और हर दूसरे क्षेत्र में भी।

सोमनाथ मंदिर का चुपचाप जिक्र करते हुए, उन्होंने आगे कहा कि भारत ने पहले बहुत कुछ झेला है और उसे हमलों और गुलामी के दर्दनाक इतिहास का 'बदला' लेना चाहिए। उन्होंने मजबूत नेतृत्व की जरूरत पर भी जोर दिया, और खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किया। अपनी बात को मजबूत करने के लिए, उन्होंने नेपोलियन को उद्धृत कियाः 'मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1,000 शेरों से नहीं डरता, लेकिन मैं एक शेर के नेतृत्व में 1,000 भेड़ों से डरता हूं।' इसका मतलब साफ था—नरेंद्र मोदी को 142 करोड़ लोगों के देश का नेतृत्व करने वाले शेर के तौर पर पेश करना। उन्होंने यह भी कहा कि हमने कभी दूसरों पर हमला नहीं किया, यह पूरी तरह से भूलकर कि सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध में कितनी बड़ी संख्या में लोगों को मारा था। उन्होंने यह भी नजरअंदाज किया कि कैसे बौद्ध और जैन मंदिरों को तोड़ दिया गया और उन पर हिंदू मंदिर बनाए गए। इसके अलावा, जाति के नाम पर जुल्म दुनिया में कहीं और अनजान है। एक सोची-समझी चाल में, श्री डोभाल ने महात्मा गांधी, भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस के नाम लिए। फिर भी, अपने पूरे भाषण में, वह सबको साथ लेकर चलने, न्याय, पिछड़े तबकों के लिए बराबरी, या पुरुष-स्त्री बराबरी के लिए उनके साझी प्रतिबद्धता के बारे में एक भी शब्द नहीं बोल पाए।

हजार साल पहले हुई गलतियों का बदला लेने पर उनका बार-बार जोर देना, सीधे तौर पर मध्ययुगीन काल के भारत के मुस्लिम हमलावरों की ओर इशारा करता है। यह कोई इत्तफाक नहीं है कि अगले ही दिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर में ऐसा ही भाषण दिया, जिसमें दावा किया गया कि मंदिर की शान अब वापस आ गई है—इस ऐतिहासिक सच्चाई के बावजूद कि इसे 1951 में पूरी तरह से फिर से बनाया गया था। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने मंदिर की प्रतीकात्मक जगह तो चुनी, लेकिन युवाओं को सीधे संबोधित करने और बदला लेने का विचार पैदा करने का काम बड़ी चतुराई से अजीत डोभाल को सौंप दिया गया।

परंपरागत ज्ञान से पर्यावरण बचाने की राह

बाबा मायाराम

लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है। मौजूदा समय में देश और दुनिया में पर्यावरण संकट की चर्चा चल रही है। यह वैश्विक समस्या है, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी कुछ किया जा सकता है। इसमें ऐसे समुदाय जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहते आए हैं, उनके परंपरागत ज्ञान काफी सहायक हो सकता है। मैंने लम्बे अरसे से देश भर में घूम-घूमकर ऐसे समुदायों से बातचीत की है, और उसके आधार पर रिपोर्टिंग की है। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे स्थानीय समुदायों के परंपरागत ज्ञान को समझा जा सके और उसके साथ आधुनिक ज्ञान को जोड़कर समस्याओं का समाधान किया जा सके। पर्यावरण और समुदायों की आजीविका की रक्षा की जा सके। अक्सर, जब कभी हम इतिहास की बात करते हैं, तब हम यह सोचते हैं कि यह मोटी-मोटी किताबों, दस्तावेजों, और पुस्तकालय के ग्रंथों में मिलेगा। लेकिन यह तो हमारे आसपास और परिवेश में भी है। हमें सिर्फ बुजुर्ग और अनुभवी लोगों से सवाल पूछना है और वे हमें बताएंगे, अपने प्रत्यक्ष अनुभव सुनाएंगे, कबीर की तरह आंखों देखी बताएंगे। वे सुनी-सुनाई बातें ही नहीं, आपबीती बताएंगे। याददाश्त के आधार पर बचपन और अपने काम-धंधे से जुड़े व अपने जमाने के किस्से बताएंगे। इसे मौखिक इतिहास व मौखिक ज्ञान भी कह सकते हैं। और यह सब आंचलिक स्थानीय भाषा में ही उपलब्ध है और उसे साक्षात्कार और बातचीत के माध्यम से जाना जा सकता है।

बरसों से खेती करने वाले किसान हमें बताएंगे यहां परंपरागत खेती-किसानी कैसी थी, क्या-क्या फसलें उगाई जाती थीं, कब बोई जाती थीं, किस तरह की मिट्टी मे बोई जाती थी, उसके तरीके क्या थे? हल-बक्खर कब चलाना है, बोवनी कब करनी है। जब सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुआ करती थी तब कौन सी फसलें उगाई जाती थीं? सिंचाई आने के बाद फसलचक्र में क्या बदलाव आया? वे बताएंगे, बीमार आदमी का इलाज कैसे किया जाता है, किसी की अगर हड्डी टूट जाती है तो कौन सी जड़ी लगाई जाती है, हंसिया या कुल्हाड़ी की चोट पर कौन से पेड़ की छाल पीसकर लगाते हैं?

वे बताएंगे कि बारिश कम क्यों होती है? पहले झड़ी लगती थी और अब क्यों पानी नहीं गिरता? सदानीरा नदियों का पानी क्यों सूख गया? बारहमासी नदियां अब बरसाती नालों में कैसे बदल गई? वे साल दर साल क्यों दम तोड़ रही हैं? ज्यादा कुरेदेंगे तो वे यह भी बता सकते हैं ये सूखी नदियां पुनर्जीवित कैसे हो सकती हैं? भूजल क्यों टाइम बम की तरह नीचे चला जा रहा है? ऐसी कई जानकारियां आपको अपने इलाके के बारे में सहज ही मिल जाएगी। हमें ऐसे ढेरों किस्से मिल जाएंगे जिनसे हम अनजान थे। हमें लोकविद्या के ऐसे कई सूत्र हाथ लग जाएंगे, जिससे हम अपना जीवन संवार सकते हैं, बेहतर कर सकते हैं, परिवेश बदल सकते हैं। क्योंकि आधुनिक रासायनिक खेती मुनाफे से संचालित है, जबकि परंपरागत खेती भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए विकसित हुई थी। उसके तौर-तरीके किसानों ने ही विकसित किए थे। यह सब हमें किसी खेत की मेढ़ पर या किसी पेड़ की छांव में बैठकर बतियाते पता चल सकता है। इस मामले में हम अपने आपको खुशकिस्मत समझेंगे कि हमारे देश के किसान या बुजुर्ग थोड़ी-बहुत पहचान के बाद उनके दुख-दर्द, अनुभव और आपबीती बिना झिझक के बताते हैं। वे धाराप्रवाह बताते चले जाते हैं कि हमें ऐसा लगेगा ही नहीं कि हम उनसे पहली बार बात कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम नाम है) जिले में पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन से सीधे जुड़े जनमुद्दों पर मैंने गांव के कई लोगों से बातचीत की है। यह बातचीत स्थानीय भाषा बुंदेली (जो बुंदेली का रूप इस इलाके में बोला जाता है) में की गई। यह सहज संवाद नहीं, साक्षात्कार था जिसमें मुद्दों का एक फेमवर्क होता है और बातचीत आगे बढ़ती जाती है। लेकिन कभी-कभी मुझे प्रश्नावली को एक तरफ उनकी ही किसी बात के सिरे को पकड़कर आगे बात करनी पड़ती है। ये मुद्दे थे- खेती-किसानी, आदिवासी और विस्थापन पर्यावरण-जल, जंगल, स्थानीय समुदायों की आजीविका इत्यादि। इस बातचीत पर आधारित लेख भी लिखे। इस समय खेती-किसानी पर अभूतपूर्व संकट मंडरा रहा है। बार-बार किसान फसलचक्र बदल रहे हैं। कभी सोयाबीन तो कभी गन्ना। सोयाबीन में लगातार घाटा हो रहा है। पहले सोयाबीन यहां काफी फला-फूला है, लेकिन अब लगभग न के बराबर है। एक-दो सालों से गन्ने की ओर किसान मुड़े लेकिन समय पर उचित दाम नहीं मिलने से किसानों को निराशा ही हाथ लगी। मैदानी क्षेत्र में पहले की हल-बैल की खेती की जगह ट्रेक्टर से खेती हो रही है। हारवेस्टर से कटाई हो रही है जिससे लोगों का रोजगार भी प्रभावित हुआ है।

जबकि जंगल क्षेत्र में अब भी किसान अपनी हल-बैल और कुछ हद तक देसी बीजों की खेती कर रहे हैं। यहां खेती बारिश पर निर्भर है यानी सूखे की खेती है। इस इलाके में उतेरा या गजरा पद्धति प्रचलन में है। इसके तहत किसान एक साथ चार-पांच फसलों को मिलाकर बोते हैं। जैसे धान के साथ तुअर, तिल्ली, ज्वार इत्यादि। किसानों का कहना है कि अगर हमारी एक फसल मार खा जाती है तो दूसरी से इसकी कमी पूरी हो जाती है। कई फसलें एक साथ बोने से पोषक तत्वों का चक्र बराबर चलता रहता है। अनाज के साथ फलियां बोने से नत्रजन आधारित बाहरी निवेशों की जरूरत कम पड़ती है। फसलों के डंठल तथा पुआल उन मवेशियों को खिलाने के काम आती है जो जैव खाद पैदा करते है। धान की करधना, झीना, भदेल जैसी कम पानी वाली किस्में भी प्रचलन में है। कम पानी या पानी नहीं होने के कारण तुअर और चना की फसल प्रमुख रूप से होती हैं।

विद्याअर्जन के दो स्त्रोत माने जाते हैं। एक है-किताबी और दूसरा है-अनुभव आधारित। इस इलाके के लोग मौखिक परंपरा के वाहक हैं, लिखित नहीं। पहले तो शिक्षा ही नहीं थी। आजादी के बाद हमारी पहली या दूसरी पीढ़ी शिक्षित हो रही है। बिना पढ़े-लिखे लोगों ने ही खेती-बाड़ी, पानी का काम, तालाब, बावड़ी, कुंओं का निर्माण, जड़ी-बूटियों की जानकारी, बांस के सामान सब कुछ अनुभव से सीखा और बढ़ाया। यह कौशल अनुभव से प्राप्त होता है। जो लोकविद्या का भी स्रोत है।

हाल के वर्षों में इतिहासकारों ने भी मौखिक परंपरा द्वारा स्थानीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की है। राजनीति शास्त्रियों और नृतत्वशास्त्रियों ने अपने अध्ययन के लिए साक्षात्कार का उपयोग किया है। स्थानीय वृद्ध लोगों से बातचीत कर आदिवासी पारंपरिक जीवनशैली व संस्कृति के अध्ययन के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों-जल, जंगल, जमीन के पारंपरिक उपयोग, स्वामित्व व प्रबंधन के बारे में जाना जा सकता है। लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। बहरहाल, मेरे लिए बरसों बाद अपने क्षेत्र को नजदीक से जानने का यह काम काफी रोमांचक, दिलचस्प और ज्ञानवर्द्धक है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

भारत में श्रमिक आंदोलन से गिग वर्कर्स तक : हड़ताल, शक्ति और जनसमर्थन का क्षय

अरुण कुमार डनायक

भारतीय रेल में 1974 की ऐतिहासिक हड़ताल जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में हुई। लगभग 17 लाख कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, बोनस, आठ घंटे की ड्यूटी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग की। सरकार की कड़ी दमनात्मक कार्रवाई के बावजूद यह हड़ताल भारतीय राजनीति और श्रमिक इतिहास की एक युगांतकारी घटना बनी और आगे चलकर आपातकाल की पृष्ठभूमि भी तैयार की।

हाल के दिनों में गिग वर्कर्स की दो दिवसीय हड़ताल चर्चा में रही। ऐप आधारित डिलीवरी और कैब सेवाओं में लगे ये युवा कठिन परिस्थितियों में असंभव को संभव बनाते हुए शहरी जीवन की गति को थामे रखते हैं। औपचारिक रूप से उन्हें 'स्वतंत्र ठेकेदार' कहा जाता है, किंतु व्यवहार में वे कंपनियों के एल्गोरिद्मिक नियंत्रण और ग्राहकों के निरंतर दबाव के बीच जीवनयापन करने को विवश हैं। इसके बावजूद आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में श्रमिकों की वास्तविक स्थिति, उनके संघर्ष के मौलिक अधिकार और हड़ताल की लगातार कमजोर होती क्षमता पर प्रिंट और डिजिटल मीडिया का अपेक्षित ध्यान नहीं गया। हमेशा की तरह इस हड़ताल को भी शीघ्र 'असफल' घोषित कर दिया गया, जबकि ऐसे आंदोलनों का महत्व केवल तात्कालिक परिणामों में नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतावनी में निहित होता है जिसे वे समय-समय पर समाज और राज्य के सामने रखते हैं। भारत में श्रमिक आंदोलन का इतिहास समृद्ध और निर्णायक रहा है। स्वतंत्र भारत के शुरूआती दशकों में सार्वजनिक क्षेत्र, बैंक, रेलवे और बड़े निजी उद्योगों में संगठित आंदोलन न केवल वेतन और सेवा शर्तों में सुधार लाए, बल्कि औद्योगिक संबंधों की दिशा भी निर्धारित की।

23 सितंबर 1954 को ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के आह्वान पर भारत में पहली अखिल भारतीय बैंक हड़ताल हुई। इसका मुख्य कारण केंद्र सरकार का लेबर अपीलीय न्यायाधिकरण (शास्त्री अवार्ड) के वेतन निर्णय में हस्तक्षेप करने का प्रयास था, जिससे कर्मचारियों को लगा कि सामूहिक सौदेबाजी और संस्थागत न्याय कमजोर किया जा रहा है। इस असहमति के चलते तत्कालीन श्रम मंत्री वी. वी. गिरी ने इस्तीफा दे दिया। यह घटना न्यायिक निर्णयों और श्रमिक हितों के बीच संतुलन की आवश्यकता और भारतीय श्रमिक आंदोलन में संस्थागत स्वतंत्रता और सामूहिक संघर्ष की महत्वता को दशार्ती है। इसके बाद 1960 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हड़ताल ने वेतन, पदोन्नति और सेवाशर्तों में सुधार कर बैंकिंग यूनियनों को निर्णायक शक्ति दी और देसाई अवार्ड को प्रेरित किया।

भारतीय रेल में 1974 की ऐतिहासिक हड़ताल जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में हुई। लगभग 17 लाख कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, बोनस, आठ घंटे की ड्यूटी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग की। सरकार की कड़ी दमनात्मक कार्रवाई के बावजूद यह हड़ताल भारतीय राजनीति और श्रमिक इतिहास की एक युगांतकारी घटना बनी और आगे चलकर आपातकाल की पृष्ठभूमि भी तैयार की।

मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्रित्व के समय कोयल मजदूरों की हड़ताल सरकारी दमन और राजनीतिक समर्थन के अभाव का शिकार हुई।

निजी क्षेत्र में श्रमिक संघर्ष अपेक्षाकृत असुरक्षित रहे हैं। 2012 में मारुति सुजुकी, मानेसर में यूनियन मान्यता और अनुबंध प्रथा को लेकर संघर्ष हिंसक हो गया, जिसके बाद बर्खास्तगी और कठोर न्यायिक कार्रवाइयों ने निजी उद्योगों में संगठित आंदोलन को हतोत्साहित किया। दत्ता सामंत के नेतृत्व में 1982 की मुंबई और 1977-78 की कानपुर मिल हड़ताल ने दिखाया कि लंबा संघर्ष पूरे उद्योग के पतन और बेरोजगारी का कारण बन सकता है।

उदारीकरण के बाद भारत में श्रमिक आंदोलन फीका पड़ गया। 1991 के बाद अर्थव्यवस्था में अस्थायी रोजगार बढ़े, जिससे हड़ताल की सामूहिक शक्ति कमजोर हुई। महंगी शिक्षा और छात्रों का कर्ज भी युवाओं को अस्थायी, जोखिमपूर्ण रोजगार स्वीकार करने पर मजबूर करता है। सरकारी श्रम कानूनों और नीतिगत बदलावों ने निवेश और लचीलेपन को प्राथमिकता दी, जिससे श्रमिक संरक्षण की मूल भावना कमजोर हुई और हड़तालें अप्रभावी होती गईं।

श्रम कानूनों में नए बदलावों के बाद श्रमिक आंदोलन पर तीन प्रमुख प्रभाव पड़े। सबसे पहले, ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग और अस्थायी नियुक्तियों से नौकरी की स्थायित्व कम हुई, जिससे यूनियनों की सामूहिक शक्ति कमजोर पड़ी और आंदोलन में भाग लेना जोखिमपूर्ण हुआ। दूसरा, एसमा का व्यापक उपयोग, लंबी नोटिस अवधि और हड़तालों को अवैध ठहराने की प्रवृत्ति ने आन्दोलन के मौलिक अधिकार को सीमित किया। तीसरा, 2020 की चार श्रम संहिताओं और 2025 के शीतकालीन सत्र में पारित नए कानूनों ने नियोक्ताओं को 'हायर एंड फायर' में अधिक लचीलापन दिया, जबकि ट्रेड यूनियनों की मान्यता और सामूहिक सौदेबाजी प्रक्रिया जटिल बना दी। इन बदलावों ने संगठित विरोध की संभावना और पारंपरिक हड़तालों की शक्ति दोनों को कमजोर किया।

बैंकिंग क्षेत्र में श्रमिक आंदोलन के क्षीण होने में केवल परिस्थितियां ही नहीं, बल्कि जानबूझ कर अपनाई गई प्रबंधकीय रणनीतियां भी निर्णायक रही हैं। प्रबंधन ने 'पेशेवर' रुख के नाम पर श्रमिक प्रश्न को मानवीय विमर्श से हटाकर मात्र प्रदर्शन, लक्ष्य और उत्पादकता की भाषा में सीमित कर दिया। यूनियन में सक्रिय कर्मचारियों की दूरस्थ तैनाती और पदोन्नति ने उन्हें श्रमिक समुदाय से वैचारिक रूप से अलग किया, जबकि चतुर्थ श्रेणी की भर्तियां बंद कर यूनियनों की संगठनात्मक रीढ़ कमजोर कर दी गई। तकनीकी हस्तक्षेप और स्वचालन ने मानवीय भूमिका सिकोड़ी, जिससे सामूहिकता और सौदेबाजी—दोनों की शक्ति घटती चली गई।

साथ ही, बेहतर वेतन और व्यक्तिगत करियर अवसरों ने कर्मचारियों के एक हिस्से को सामूहिक संघर्ष से विमुख किया, जबकि स्थायी नियुक्तियों में गिरावट से यूनियन सदस्यता निरंतर घटती गई। अनुशासनात्मक कार्रवाइयों और भय के माहौल ने हड़ताल में भागीदारी की हिम्मत भी कम कर दी। परिणामस्वरूप बैंकिंग क्षेत्र का श्रमिक आंदोलन प्रतिरोध से हटकर समायोजन, मौन और सीमित असहमति की राजनीति में सिमटता चला गया, और बार-बार की हड़तालें उपभोक्ताओं की असुविधा तक सीमित होकर सामाजिक समर्थन खोती गईं।

संसद में वामपंथी दलों का प्रतिनिधित्व घटने से श्रमिक हितों पर बहसें भी सीमित होती चली गईं। हड़तालों और आंदोलन को राजनीतिक संरक्षण और वैचारिक समर्थन मिलना कम हो गया। राजनीतिक दलों ने श्रमिक नेताओं को चुनावी राजनीति से दूर रखा, जिससे ट्रेड यूनियन नेतृत्व और संसदीय प्रक्रिया के बीच कड़ी टूट गई। निवेश-अनुकूलता के नाम पर श्रम सुधारों की बहस औपचारिकता बन गई, और हड़ताल जैसा अहिंसक साधन प्रायः निष्प्रभावी प्रतिरोध रह गया।

स्वतंत्र भारत के संगठित श्रमिक आंदोलन से गिग अर्थव्यवस्था तक की यह यात्रा केवल आर्थिक बदलाव की नहीं, बल्कि श्रमिक शक्ति, न्याय और संरक्षण के सिमटते दायरे की कहानी है। कर्मचारी संघों और नेताओं के उत्पीड़न तथा सरकारी दमन के बावजूद ऐतिहासिक हड़तालों ने वेतन, सेवा शर्तों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती दी, किंतु उदारीकरण, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई श्रम संहिताओं ने सामूहिक प्रतिरोध को कमजोर किया। आज गिग वर्कर्स और असंगठित श्रमिकों की असुरक्षा बताती है कि नीतिगत प्राथमिकताएं श्रम से अधिक बाजार के पक्ष में रहीं। जनसमर्थन और राजनीतिक हस्तक्षेप के अभाव में गिग अर्थव्यवस्था की हड़तालें प्रायः निष्प्रभावी हो जाती हैं, क्योंकि बिखरा श्रम और प्लेटफॉर्म आधारित नियंत्रण सामूहिक दबाव को क्षीण करते हैं। ऐसे में गांधीजी द्वारा फरवरी 1920 में प्रतिपादित न्यूनतम मानवीय मानक—उचित कार्य घंटे, शिक्षा, स्वच्छ आवास और बुढ़ापे की सुरक्षा—आज भी स्मरण कराते हैं कि श्रम केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का मूल प्रश्न है।

आने वाले विधान सभा चुनाव : शंख बजा नहीं, महाभारत चालू

अरविन्द मोहन

अन्य राज्यों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में यह सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है क्योंकि भाजपा इसे जीतने के लिए काफी बेचैन है। दो लोकसभा और दो विधान सभाओं में तृणमूल कांग्रेस को मुख्य टक्कर देने के बाद उसे लग रहा है कि 15 साल के ममता राज से लोगों की जो नाराजगी बढ़ी है उसका लाभ लेकर वह इस बार बंगाल का किला फतह कर सकती है। जीहां। पांच विधानसभा चुनावों को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा होने में देर है लेकिन चुनाव के अखाड़े के पहलवान पहले से गुत्थमगुत्था होने लगे है। ऐसा हो तो रहा है सभी जगह लेकिन बंगाल की लड़ाई तो सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई है और उसका स्तर इतना नीचा हो गया है कि आप किसी एक पक्ष को इस गिरावट के लिए दोषी नहीं मान सकते। बल्कि इस स्तर को देखकर डर लगता है कि चुनाव पूरा होने तक मामला कहां पहुंचेगा। चुनाव अप्रैल और मई से पहले हो जाएंगे। असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के लिए चुनाव मार्च/अप्रैल में होंगे तो तमिलनाडु और केरल विधान सभाओं के लिए अप्रैल/मई में और निश्चित रूप से चुनाव का ज्यादा शोर मचाने की वजह खास शैली से चुनाव लड़ने वाली भाजपा का मैदान में होना और प्रमुख खिलाड़ी रहना है। बंगाल में भी ईडी जब कोयला घोटाले की जांच का नाम लेकर सीधे तृणमूल की सलाहकार कंपनी के दफ्तर से फाइलें उठाने लगी तो पुलिस बल सहित आकार खुद ममता बनर्जी ने वे फाइलें छीन लीं। अब कौन गलत कौन सही? की लड़ाई सड़क पर और सुप्रीम कोर्ट में चलने लगी है। चुनाव के पहले उसका निपटारा भी संभव नहीं लगता।

अभी की स्थिति में भाजपा एक राज्य में शासन में है और दूसरे में काफी पिछड़कर मुख्य विपक्ष है पर एक राज्य, पुडुचेरी में उसने जिस तरह बिना एक भी विधायक जिताए सरकार बना लिया वह उसकी राजनैतिक लड़ाई लड़ने का तरीका है। अगर अभी के चुनाव को लेकर अभी से गरमाहट आ गई है तो यह भाजपा के चुनाव लड़ने का तरीका है जो नगरपालिका चुनाव तक को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की प्रतिष्ठा से जोड़ देती है।

मुश्किल यह है कि तीन अन्य राज्यों में वह कमजोर है तो बंगाल में ममता बनर्जी भी लड़ाई को ऑल आऊट तरीके से ही लड़ती हैं और इसे किसी दोष की तरह देखने की जरूरत नहीं है। आज भाजपा का जो एकछत्र राज बना है, अन्य दलों से वह जिस तरह आगे निकली है उसमें उसके चुनाव लड़ने के तरीके, साधनों की भरभार और साल के 365 दिन की तैयारी का बड़ा हाथ है।

अन्य राज्यों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में यह सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है क्योंकि भाजपा इसे जीतने के लिए काफी बेचैन है। दो लोकसभा और दो विधान सभाओं में तृणमूल कांग्रेस को मुख्य टक्कर देने के बाद उसे लग रहा है कि 15 साल के ममता राज से लोगों की जो नाराजगी बढ़ी है उसका लाभ लेकर वह इस बार बंगाल का किला फतह कर सकती है पर उसकी मुश्किल यह है कि उसके पक्ष में 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से जो उभार आने लगा था वह उतार पर आता दिखने लगा है। उसका वोट प्रतिशत गिरा है और तृणमूल का बढ़ा है साथ ही उसके सांसद और विधायक भी कम चुने गए हैं। दल-बदल में भी अब मौकापरस्त या किसी दबाव में उसकी तरफ आने वालों की रफ्तार कम हुई है। यह स्थिति बंगाली समाज के भद्रलोक द्वारा उसके तौर-तरीकों को नापसंद करने से जुड़ी है। इसके साथ ही वहां का लगभग एक चौथाई मुसलमान मतदाता भी अब पूरी तरह तृणमूल के साथ आ गए हैं। पहले कांग्रेस और वाम दलों को भी यह वोट मिलता था। भाजपा ने एक बार हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण तो दोबारा नामशूद्रों की गोलबंदी कर-के सफलता पानी चाही जो आंशिक रूप में ही सफल हुई। बंगाल में समाजसुधार आंदोलनों के चलते जाति की गोलबंदी कम है और समाज पर प्रभावी भद्रलोक में भाजपा की घुसपैठ नहीं है। भाजपा की मुश्किल कांग्रेस और वाम दलों के एकदम पस्त होने से भी बढ़ी है जिनका वोट उसकी तरफ आने के ज्यादा तृणमूल की तरफ गया है।

असम में भी भाजपा की परेशानी दस साल शासन करने और नागरिकता या घुसपैठ जैसे किसी मुद्दे पर ज्यादा कुछ न कर पाने से जुड़ी है। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को असम का चार्ज देकर लड़ाई को और दिलचस्प बना दिया है। कांग्रेस ने जब से मौलाना बदरुद्दीन वाली मुसलमानों की पार्टी से रिश्ता तोड़ा है उसे मुसलमानों का भरपूर वोट तो मिला ही है, भाजपा के लिए उस पर हमला करना और चुनाव को हिंदू-मुसलमान बनाना मुश्किल हुआ है। इस बार भाजपा को ज्यादा परेशानी अहोम सरवानंद सोनेवाल को हटाकर पंडित हेमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री बनाने से भी जुड़ी है। सरमा प्रशासनिक रूप से कुशल हैं पर असमी समाज में शासक रहे अहोम समाज को सत्ता जाने का मलाल है। असम में बहुत किस्म की अस्मिताएं/पहचान काम करते हैं लेकिन नागरिकता, सीएए, पॉपुलेशन रजिस्टर, जनगणना और गहन मतदाता सर्वेक्षण जैसे किसी भी सवाल पर स्पष्ट फैसला न लेना और कोई नतीजा न देना भाजपा को परेशान करेगा। जिस तरह भाजपा चुनाव लड़ती है वैसा और कोई नहीं लड़ता यह सच्चाई भी याद रखनी होगी।

तमिलनाडु के चुनाव में भाजपा ही नहीं पूरा विपक्ष अभी पहले से कमजोर लग रहा है। अन्नाद्रमुक में टूट और भाजपा का उससे छिटकना ही नहीं हुआ है ।

सभी निर्माण कार्यों के लिए नामित करें नोडल जांच अधिकारी : डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। 50 लाख रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जनपद में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का मूल्यांकन किया गया। बैठक में डीएम ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, जल निगम (नगरीय), पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं विकास सहकारी संघ (कानपुर), यूपी सिडको सहित अन्य संस्थाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन निर्माण कार्यों के लिए अभी तक नोडल जांच अधिकारी नामित नहीं किए गए हैं, वहां तत्काल नामित कराएं। बहिलपुरवा मार्ग के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग और वन विभाग को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। स्पष्ट किया कि जहाँ भी एनओसी की आवश्यकता है, वहां तत्काल ऑनलाइन आवेदन कर निस्तारण कराए। सीडीओ से कहा कि आगामी ह्यकिसान दिवसह्य पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य करें ताकि कृषकों को विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यदायी संस्थाओं को कड़े निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, उन्हें अविलंब संबंधित विभाग को हैंडओवर (हस्तांतरण) करें। उन्होंने जोर दिया कि समस्त निर्माण कार्य शासन की मंशानुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध सीमा में पूर्ण होने चाहिए।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित कार्यदायी संस्थाओं के अधिशासी अभियंता व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक आज

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण-2026 में अब तक की गयी कार्यवाही से सम्बन्धित समीक्षा बैठक बुधवार को चित्रकूटधाम मण्डल के रोल प्रेक्षक आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। जिसमें समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी शामिल होंगे।

आज मनाया जाएगा बलिदान दिवस

चित्रकूट। भारतीय सिंधु सभा के अध्यक्ष राजीव लखानी ने बताया कि 21 जनवरी बुधवार को अमर शहीद हेमू कालाणी का बलिदान दिवस के अवसर पर सभा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बुधवार की सुबह 10 बजे एल.आई.सी. तिराहा स्थित शहीद पार्क में आयोजित किया जाएगा। जिसमें समाज के लोग शामिल होंगे।

बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा ने किया प्रदर्शन : सड़क स्वास्थ्य और शिक्षा समेत 8 मांगों पर ज्ञापन

चित्रकूट। बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने चित्रकूट जिले में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पाठा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर किया गया। प्रदर्शन के बाद, मोर्चा के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को 8 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पाठा क्षेत्र लंबे समय से उपेक्षित है। सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में स्थानीय लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रमुख मांगों में देवांगना घाटी से दादरी होते हुए मारकुंडी संपर्क मार्ग का चौड़ीकरण शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रुकमा खुर्द में एंबुलेंस की तैनाती और आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति की मांग की गई। शिक्षा के क्षेत्र में, न्याय पंचायत रुकमा व मारकुंडी सरैया में 'खेलो इंडिया' के तहत खेल स्टेडियम के निर्माण की मांग उठाई गई। साथ ही, न्याय पंचायत रुकमा खुर्द, मारकुंडी व इटावा में डिग्री कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की स्थापना की भी मांग की गई। क्षेत्र में एक मेडिकल कॉलेज और पशु अस्पताल खोलने की भी मांग की गई है।

बिजली आपूर्ति में सुधार भी एक महत्वपूर्ण मांग है। गांवों में लोड शिफ्टिंग और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई, क्योंकि परीक्षाओं के समय बिजली कटौती से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस प्रदर्शन में प्रखर पटेल, हरबंस प्रसाद, रामबरन मौर्य, छोटे लाल राजपूत, विक्रम, विपिन, मानसिंह यादव, मुकेश, धर्मेंद्र, राहुल, रामसागर, विपिन पटेल, भारत लाल, संदीप, अतुल सिंह और सौरभ सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी ने ली परेड की तैयारियों की बैठक

चित्रकूट। आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैतिक परेड व शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय स्थित राधव प्रेक्षागार में बैठक की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने आगामी गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय, अनुशासित एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रैतिक परेड की तैयारियों, परेड की ड्रिल, अनुशासन, वर्दी की एकरूपता, समयबद्धता तथा समन्वय पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल एवं जनपद के संवेदनशील क्षेत्रों में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा सुरक्षा में चूक न हो, इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन व्यवस्थाओं तथा पेट्रोलिंग को भी सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर पुलिस अक्षीक्षक सत्यपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल, क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली, क्षेत्राधिकारी फायर यदुनाथ सिंह, क्षेत्राधिकारी कार्यालय यामीन अहमद सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने लांच किया पॉलिटेक्निक चलो अभियान का पोस्टर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पॉलिटेक्निक चलो अभियान 2026 का शुभारंभ मंगलवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पोस्टर लॉन्च कर किया। यह अभियान तकनीकी शिक्षा में उन्नयन के लिए शुरू किया गया है।

राजकीय पॉलीटेक्निक बरगढ़ के प्रभारी प्राचार्य अनंत प्रकाश ने बताया कि तकनीकी शिक्षा के उन्नयन के लिए उत्तर प्रदेश में स्थित राजकीय, अनुदानित तथा प्राइवेट पॉलिटेक्निक कॉलिजों में शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए वर्तमान में ऑनलाइन आवेदन पत्र भरे जा रहे हैं। बताया कि राजकीय पॉलीटेक्निक बरगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग व यांत्रिक अभियंत्रण तथा राजकीय पॉलीटेक्निक मानिकपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिसके तहत आगामी मई माह में प्रदेश के 75 जिलों में कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। बताया कि प्रवेश परीक्षा के बाद प्राप्त अंकों के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग से प्रदेश के सभी पॉलिटेक्निको में प्रवेश होगा। प्रदेश के किसी भी राजकीय, सहायता प्राप्त अथवा प्राइवेट पॉलिटेक्निक कॉलिज में बिना प्रवेश परीक्षा 2026 में सम्मिलित हुए, प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश के लिए परीक्षा प्रवेश परीक्षा देना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित है। पॉलीटेक्निक संस्थानों में छात्राओं के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण के साथ अलग से छात्रावास उपलब्ध हैं। इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों को राज्य सरकार व केंद्र सरकार से छात्रवृत्ति भी उपलब्ध होती है। कहा कि तकनीकी शिक्षा के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा देकर पॉलिटेक्निक कॉजिल में प्रवेश ले सकते है।

बुनियादी समस्याओं को लेकर बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में मंगलवार को किसानों ने पाठा क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस सम्बन्ध में किसानों ने शहीद स्मारक पार्क कर्वी से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला व धरना प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन के दौरान एडवोकेट प्रखर पटेल व समाजसेवी मुकेश कुमार ने डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि देवांगना घाटी से ददरी मारकुंडी संपर्क मार्ग का चैड़ीकरण किया जाए। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रुकमा खुर्द में एंबुलेंस के साथ स्टाफ की तैनाती व ग्राम पंचायत रुकमा बुजुर्ग में बनी पुस्तकालय का संचालन शुरू किया जाए। इसके अलावा ग्राम पंचायत मारकुंडी, इटवा डुडैला व सरैया में पुस्तकालय बनवाने, न्याय पंचायत रुकमा खुर्द, मारकुंडी, सरैंया सहित अन्य गांवों में खेलो इंडिया के तहत खेल स्टेडियम, महाविद्यालय, इण्टर कॉलिज, मेडिकल कॉलेज, पशु अस्पताल बनवाने तथा पेयजल समस्या का समाधान कराने की मांग की। इसके अलावा आवागमन के लिए रास्ता, चिकित्सालयों में डॉक्टरों की तैनाती, हर घर जल योजना के तहत जल आपूर्ति, विद्युतीकरण, बांधों के मरम्मतीकरण, नहरों की खुदाई, अंत्येष्टि स्थल व पुलिस चैकी बनवाने की मांग की। किसानों ने जनपद से पलायन रोकने के लिए पाठा क्षेत्र में फैक्ट्रियों व अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध करवाने की भी मांग की ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके।

इस मौके पर समाजसेवी विपिन कुमार, मीरा भारती, अतिथ पटेल, पंकज, अश्वनी कुमार, संदीप पटेल, विपिन मिश्रा, कुलदीप पटेल, अरविंद, अजय शहदेव, हार्दिक, दिनेश सनेही, अफजल, शिवांकित, अंकित, सोनू, दिपांशु, श्रवण, जुग्गी, अंकित प्रताप, कुं. भूपेंद्र सिंह, दीपेन्द्र सिंह, सौरभ सिंह, मुकेश, अजय टाईगर, जुग्गी मिश्रा, इमरान, नसीम, अनूप, अवधेश, दीपक, कामता चतुवेर्दी, वीरेंद्र, अनुसुइया, रोहित, आदित्य, संजय आदि मौजूद रहे।

मनरेगा बचाओ चौपाल के तहत कांग्रेसी पहुंचे चिल्लीमल, किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला कांग्रेस समिति द्वारा मंगलवार को सदर विधानसभा क्षेत्र की विलास और चिल्लीमल ग्राम पंचायत में मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को मनरेगा के प्रावधानों और अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

चैपाल में पार्टी जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने ग्रामीण मजदूरों के बीच पर्चे वितरण करते हुए कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों की आजीविका की रीढ़ है, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में समय पर काम न मिलना, मजदूरी भुगतान में देरी, जॉब कार्ड निरस्त किए जाने और बजट में कटौती जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। चैपाल के माध्यम से इन मुद्दों को सीधे जनता के बीच रखा जा रहा है और उनसे सुझाव भी लिए जा रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अभियान गांव-गांव में जन चैपाल लगाकर आम जनता के बीच इस बात को पहुंचना है कि किस तरह से भाजपा सरकार गरीब मजदूर के अधिकारों का हनन कर रही है। भाजपा सरकार ने मनरेगा से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाकर उनका अपमान किया है, जिसका कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक विरोध करेगी। कहा कि ह्यमनरेगा बचाओ चैपालह्व केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि गरीब और मेहनतकश लोगों की आवाज को बुलंद करने का माध्यम है। यह अभियान तब तक चलता रहेगा, जब तक इस बिल को वापस नहीं लिया जाएगा। इस मौके पर राजू सैनी, रामजीत यादव, सौरभ दीक्षित, सोनू तिवारी आदि मौजूद रहे।

मऊ में अवैध खनन पर कार्रवाई : उप जिलाधिकारी ने यमुना किनारे से जेसीबी मशीन जब्त की

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने यमुना नदी के किनारे अवैध रूप से खनन कर रही एक जेसीबी मशीन को जब्त कर मऊ थाने को सौंप दिया है।

उप जिलाधिकारी को सूचना मिली थी कि यमुना रोड मऊ के पास नदी किनारे जेसीबी मशीन से मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है। जिसके बाद मौके पर पहुंचे, तो देखा कि एक जेसीबी मशीन नियम विरुद्ध तरीके से मिट्टी निकाल रही थी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों को देखकर मशीन चालक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उप जिलाधिकारी ने उसे पकड़ लिया तथा जेसीबी मशीन को तत्काल प्रभाव से जब्त कर मऊ थाने को सौंप दिया। साथ ही इस संबंध में खनिज विभाग को भी रिपोर्ट भेजी। उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ उनकी लगातार नजर है। चेतावनी दी कि क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति अवैध खनन करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में दहशत का माहौल है।

ब्लाक स्तर पर श्रमिक परिवारों के बच्चों के कराएं प्रवेश आवेदन : रतन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी ने मजदूर परिवारों के बच्चों को अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाने के लिए सभी ब्लाकों में अधिक से अधिक आवेदन पत्र भरवाने के निर्देश दिए हैं। अटल आवासीय विद्यालय अछरौड़ बांदा में उत्तर-प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अर्न्तगत पूर्व में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों एवं बाल सेवा योजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 में कुल 160 व कक्षा 9 में कुल 60 सीटें उपलब्ध हैं। इसके सापेक्ष प्रवेश के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से अब तक प्राप्त आवेदन पत्रों की समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल द्वारा की गई। जिसमें उन्होने निर्देश दिया कि प्रत्येक विकास खण्डों से पात्र निर्माण श्रमिकों के बच्चों से अधिक से अधिक आवेदन पत्र भरवाए जाएं।

सहायक श्रमायुक्त आर.के. गुप्ता ने बताया कि निःशुल्क आवेदन आगामी 31 जनवरी तक ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है। साथ ही सभी अभिलेखों के साथ संबंधित ब्लाकों के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय और जिला मुख्यालय स्थित श्रम विभाग कार्यालय में ऑफलाइन कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं। जिसकी प्रवेश परीक्षा 22 फरवरी रविवार को होनी है। जिसके प्रवेश पत्र 7 फरवरी से ऑनलाइन-आफलाइन माध्यम से प्राप्त किए जा सकेगें।

ट्रंप के इशारे पर पाकिस्तान ने ईरान में भड़काई हिंसा? भयंकर बदला लेंगे खामनेई

ईरान

ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों के पीछे विदेशी शक्तियों की साजिश है। इसका शक तो खामनेई की एजेंसियों को पहले से ही था। लेकिन अब सबूत साफ मिल चुके हैं। ईरान को बस इसी सबूत की जरूरत थी। यह हथियार ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ प्रदर्शनकारियों जब्त किए जो साफ बताते हैं कि यह पाकिस्तानी मेड है। ईरानी एजेंसियों का दावा है कि पाकिस्तान ने न सिर्फ हिंसा भड़काने के लिए हथियार भेजे बल्कि इसके लिए ट्रेंड लोगों को भी प्रदर्शनकारियों की भीड़ में भेजा। यह सुनकर आप चौंक रहे होंगे कि आखिर एक मुस्लिम देश के संकट से पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथी जनरल मुनीर खुश क्यों होगा? अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई फूटी आंख नहीं सुहाते। ईरान 22 दिनों से जारी प्रदर्शन के हिंसक दौर से गुजर रहा है। और ऐसे में कुछ सुराग ऐसे

मिले हैं जिससे यह पता चलता है कि प्रदर्शनकारियों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग और ब्लाइंड सपोर्ट दिया गया। ईरान में हिंसा के पीछे मुनीर का स्लीपर सेल, प्रोटेस्टर्स के पास कहां से आए ग्रेनेड?

ईरानी अधिकारी प्रदर्शन की शुरूआत से ही यह कहते आ रहे हैं कि इसमें बाहरी ताकतों का हाथ है। इसमें अमेरिका और इजराइल की बड़ी भूमिका है। लेकिन अब सामने आ चुका है कि मुनीर की गुप्त सेना का हाथ इसमें है। गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के पास से सैन्य हैंड ग्रेनेड मिले हैं। सुराग नंबर दो, हिंसा का पैटर्न बांग्लादेश की तरह है। ईरानी मीडिया में प्रदर्शनकारियों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में होने की बात सामने आई है। ईरान में इंटरनेट बंद है। फिर भी प्रदर्शनकारियों के बीच में मैसेजेस सकुर्लेट हो रहे हैं। अस्पतालों में आग, नर्सेज और डॉक्टर्स पर अटैक, बैंकों पर हमले, हिंसा भड़काने की साजिश है।

इन्हीं सुरागों पर ईरानी एजेंसियां अब कंफर्म है कि मुनीर ने बेहद गुप्त तरीके से पाकिस्तान में ट्रेन कुछ लोगों को ईरान भेजा और आम लोगों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बीच में घुसकर हिंसा भड़काने की साजिश रची। इसके पीछे पाकिस्तान और अमेरिका का सीधा-सीधा हाथ है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह बताया जा रहा है कि ईरान में संकट बढ़ाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और आसिम मुनीर के बीच में एक सीक्रेट डील हुई है।

सबसे बड़ा क्रिमिनल, ट्रंप पर फूट पड़ा खामनेई का गुस्सा

अमेरिका

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामिनई ने हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले मानवाधिकार समूहों ने कहा था कि सुरक्षा बलों की हिंसक कारवाही में हजारों लोगों की जान गई है। खामिनई ने कहा कि ईरान को अमेरिका निगलना चाहता है और यह अमेरिकी साजिश थी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को दंगाइयों की कमर तोड़ देनी चाहिए। खामिनई ने एक धार्मिक छुट्टी के मौके पर समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश को युद्ध की ओर नहीं ले जाना चाहते लेकिन हम अपने घरेलू अपराधियों को नहीं बखशेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को भी सजा से नहीं बख्शा जाएगा।

ईरानी राष्ट्र को दंगाइयों की कमर तोड़ देनी चाहिए। ठीक वैसे ही

जैसे उसने पहले भी विद्रोह की कमर तोड़ी थी। ईरान में हफ्तों से विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। यह प्रदर्शन 28 दिसंबर को आर्थिक मुश्किलों को लेकर शुरू हुए थे और बाद में बड़े प्रदर्शनों में बदल गए। इसमें इस्लामिक रिपब्लिक में मौलवी शासन खत्म करने की मांग की गई थी। ट्रंप ने बार-बार दखल देने की धमकी दी जिसमें यह दावा भी शामिल है कि अगर ईरान ने प्रदर्शनकारियों को फांसी दी या फिर उन पर कोई सख्त कारवाई की तो वह बहुत कड़ी कारवाई करेंगे। लेकिन शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने तेहरान के नेताओं को धन्यवाद दिया। यह कहते हुए कि उन्होंने सामूहिक फांसी रोक दी है।

ईरान ने कहा कि लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है। अमेरिका के एचआरएए अधिकार समूह ने कहा कि उसने 390 मौतों की पुष्टि की है ।

धमकी से नहीं डरेंगे...ट्रंप के टैरिफ पर भड़क गया एव, बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

फ्रांस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा डेनमार्क और अन्य यूरोपीय संघ देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी के कुछ घंटों बाद, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि ऐसे उपाय अंतर-अटलांटिक संबंधों को कमजोर करेंगे और एक खतरनाक गिरावट का कारण बन सकते हैं। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुए, वॉन डेर लेयेन ने व्यापार तनाव बढ़ाने के बजाय नाटो सहयोगियों के बीच मतभेदों को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा यूरोपीय संघ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। संवाद अभी भी आवश्यक है और हम डेनमार्क साम्राज्य और अमेरिका के बीच पिछले सप्ताह शुरू हुई प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से भिड़ा अमेरिका, मेलोनी ने निकाल दी ट्रंप की हेकड़ी

इटली

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्ज मेलोनी का जिन्होंने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका को साफ-साफ दो टूक संदेश दिया है। मेलोनी ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नाटो के भीतर ही किया जाना चाहिए। दरअसल जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों जापान के दौरे पर हैं। जहां इस दौरे के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ग्रीनलैंड को लेकर बयान दिया है। इस बयान में उन्होंने अमेरिका की ओर से उठाए गए सुरक्षा सवालों को गंभीर और जायज बताया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उस मुद्दे पर बातचीत और फैसला अटलांटिक गठबंधन यानी नाटो के ढांचे के अंदर ही होना चाहिए। मेलोनी ने आगे कहा

कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा नाटो के सभी देशों के साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने यह भी कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में सहयोगी देशों की मौजूदगी को भी मजबूत करने पर विचार किया जाना चाहिए। लेकिन इससे आपसी मतभेद या विभाजन के रूप में नहीं देखना चाहिए। जॉर्जिया मेलोनी ने साफ किया कि ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी तरह के जमीनी सैन्य हस्तक्षेप की संभावना बेहद कम है। उनके अनुसार यह एक राजनीतिक विषय है और इसका समाधान भी राजनीतिक बातचीत के जरिए ही निकलेगा। मेलोनी ने कहा कि यह इलाका सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं बल्कि पूरे यूरोप और सभी देशों के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। आपको बता दें कि ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोप के बीच अब तनाव बढ़ता दिख रहा है। जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि 1 फरवरी से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, फिनलैंड और ब्रिटेन से आयात होने वाले सामानों पर 10% अतिरिक्त टेरिफ लगाया जाएगा। जिसके बाद 1 जून से यह टेरिफ बढ़ाकर 25% तक कर दिया जाएगा। और टेरिफ का इस तरह बढ़ना तब तक जारी रहेगा जब तक ग्रीनलैंड पर कोई समझौता नहीं होता। वहीं यूरोप के कई बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ट्रंप के टेरिफ की धमकी को गैर मंजूर बताया है और बोला है कि यूरोप इसका एक साथ जवाब देगा। अब देखना यह होगा कि ग्रीनलैंड को लेकर यह विवाद यूरोप और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर डालेगा।

नाटो को भी बख्शने के मूड में नहीं ट्रंप, लगाएंगे 25% टैरिफ

डेनमार्क

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस द्वारा ग्रीनलैंड को हासिल करने के प्रयासों के बीच नाटो देशों ने ग्रीनलैंड में अपनी छोटी टुकड़ियाँ भेजी हैं। इन देशों से अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 1 फरवरी से 10% का शुल्क लगाया जाएगा। राष्ट्रपति के अनुसार, डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड पर यह शुल्क 1 जून से बढ़कर 25% हो जाएगा, जब तक कि अमेरिका ग्रीनलैंड को खरीद नहीं लेता। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का एक स्वशासित क्षेत्र है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह हमारे ग्रह की सुरक्षा और अस्तित्व के लिए एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है। ये देश, जो यह बेहद खतरनाक खेल खेल रहे हैं, उन्होंने एक ऐसा जोखिम खड़ा कर दिया है जो न तो स्वीकार्य है और न ही टिकाऊ। ट्रम्प ने अपने पोस्ट में फिर से वही दावा दोहराया कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं करता है तो चीन और रूस ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी देंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि डेनमार्क ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं कर सकता।

ग्रीनलैंड और डेनमार्क (जो देश के अंतरराष्ट्रीय मामलों का संचालन करता है) के नेताओं ने बार-बार कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात के बाद डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने पत्रकारों से कहा यह स्पष्ट है कि राष्ट्रपति ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं।

ताइवान ने हाथ जोड़कर किया ऐसा ऐलान, चीन में भयंकर बवाल

चीन

ताइवान के विदेश मंत्रालय मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर आरओसी ताइवान ने खुले तौर पर भारत का धन्यवाद किया है और सिर्फ धन्यवाद ही नहीं बल्कि यह संदेश दिया है कि भारत और ताइवान अब एक लाइन में खड़े दिखाई दे रहे हैं। ताइवान ने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने ताइवान के आसपास चीन की सैन्य गतिविधियों पर आवाज उठाई और ताइवान ने भारत के सामने हाथ जोड़कर उनका शुक्रिया किया। दरअसल ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा भारत हमारा लाइक माइंडेड पार्टनर है। भारत ने पीआरसी चीन की सैन एक्सरसाइज पर आवाज उठाई। भारत और ताइवान के ट्रेड इकोनॉमिक और मैरिटाइम महत्व कॉमन है और दोनों मिलकर इंडोपेसिफिक में शांति और स्थिरता के लिए

काम करेंगे। यह सिर्फ एक डिप्लोमेटिक ट्वीट नहीं है। यह स्ट्रेटेजिक सिग्नल है चीन के लिए। अब सवाल यह है कि पीआरसी की मिलिट्री एक्सरसाइज असली मसला क्या है? दरअसल चीन पिछले कुछ वर्षों से ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर नेवल ड्रिल, फाइटर जेट्स की घुसपैठ, मिसाइल फोर्स की मूवमेंट और ब्लॉकेड जैसी स्थिति क्रिएट कर रहा है। बीजिंग का साफ संदेश है कि ताइवान हमारा है और हम जब चाहे ताकत दिखा सकते हैं। लेकिन अब फर्क यही है कि भारत ने इस पर चुप्पी नहीं साधी। भारत ने साफ कहा ताइवान स्टेट में शांति जरूरी है। किसी भी तरह की सैन्य उकसावेबाजी अस्वीकार्य है और यही बात ताइवान को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लगी। बता दें डिप्लोमेसी में शब्द बहुत मायने रखते हैं। ताइवान ने भारत को कहा लाइक माइंडेड पार्टनर। इसका मतलब है लोकतंत्र, नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, फ्री नेविगेशन, संप्रभुता का सम्मान। यानी ताइवान भारत को अब सिर्फ एक ट्रेड पार्टनर नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार मानता है और यह बात चीन को सबसे ज्यादा चुकती है। चीन से रिश्ते पहले जैसे नहीं रहे हैं। गलवान के बाद भारत का भरोसा टूट गया। एलएसी पर तनाव जारी है। चीन का आक्रामक रवैया भी देखने को मिल रहा है।

कोई धमकी नहीं चलेगी... ट्रंप ने 8 देशों पर टैरिफ ठोका तो वाइल्ड फायर हो गए मैक्रों

अमेरिका

ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव अब खुली जंग में बदलता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का विरोध करने की कीमत अब चुकानी होगी। शनिवार को डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों के सामान पर 10% आयात शुल्क लगाया जाएगा। यह वही देश है जो हाल ही में ग्रीनलैंड में सैन्य अभ्यास का हिस्सा बने हैं। ट्रंप यहीं नहीं रुके। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका और ग्रीनलैंड के बीच पूर्ण खरीद समझौता नहीं होता तो 1 जून से

टैरिफ 25% तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप के बयान से साफ है कि यह टेरिफ महज आर्थिक फैसला नहीं बल्कि दबाव बनाने की रणनीति है। उनका मानना है कि ग्रीनलैंड जो नाटो सहयोगी डेनमार्क का अर्ध स्वायत्त क्षेत्र है अमेरिकी सुरक्षा के लिए बेहद अहम है। ट्रंप ने जिन देशों को निशाने पर लिया है उनमें हैं डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड शामिल हैं। यूरोप में हलचल ईयू की इमरजेंसी बैठक। ट्रंप के ऐलान के बाद यूरोपीय संघ ने इमरजेंसी बैठक बुला ली है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुए, वॉन डेर लेयेन ने व्यापार तनाव बढ़ाने के बजाय नाटो सहयोगियों के बीच मतभेदों को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा यूरोपीय संघ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। संवाद अभी भी आवश्यक है और हम डेनमार्क साम्राज्य और अमेरिका के बीच पिछले सप्ताह शुरू हुई प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया है। उन्होंने कहा फ्रांस ना धमकियों से डरता है ना दबाव से झुकता है।

ग्रीनलैंड यूक्रेन या दुनिया का कोई भी हिस्सा हो हम संप्रभुता के सिद्धांत पर कायम रहेंगे।

मैक्रो ने साफ किया कि फ्रांस ने ग्रीनलैंड में सैन्य अभ्यास में हिस्सा पूरी जिम्मेदारी के साथ लिया है क्योंकि आर्कटिक और यूरोप की बाहरी सीमाओं की सुरक्षा दांव पर है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री थीर स्टारमर ने कहा ग्रीनलैंड का भविष्य ग्रीनलैंड के लोग और डेनमार्क तय करेंगे। नाटो सहयोगियों पर टेरिफ लगाना पूरी तरह गलत है। इस मुद्दे को हम सीधे अमेरिकी प्रशासन के सामने उठाएंगे।

प्रदर्शनों का समर्थन करने के लिए ट्रंप को अपराधी बताया

ईरान

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने के लिए अपराधी करार दिया और हजारों मौतों के लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में, खामेनेई ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों में कई हजार लोग मारे गए हैं। यह 28 दिसंबर से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों की लहर और उसके बाद हुए खूनी दमन में हताहतों की संख्या को लेकर किसी ईरानी नेता की ओर से पहला संकेत है।

खामेनेई ने कहा, इस विद्रोह में अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान दिए, देशद्रोहियों को उकसाया और कहाः हम आपका समर्थन करते हैं, हम आपको सैन्य सहायता प्रदान करेंगे।

खामेनेई ने इस आरोप को दोहराया कि अमेरिका ईरान के आर्थिक और राजनीतिक संसाधनों पर प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। उन्होंने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति को अपराधी मानते हैं, क्योंकि उन्होंने जानमाल का नुकसान पहुंचाया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

पुतिन ने ईरान के लिए लिया अमेरिका से सीधा पंगा, नेतन्याहू को घुमाया फोन, रुकवाया युद्ध!

अमेरिका

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहा बल्कि इसमें इजराइल, रूस और पूरी दुनिया की नजरें टिक गई हैं। और इसी बीच एक ऐसा बड़ा घटनाक्रम सामने आया जिसने इस पूरे संकट को नया मोड़ दे दिया। इस वक्त की सबसे बड़ी खबर यह है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन ने कूटनीतिक मोर्चे पर बड़ा कदम उठाया। पुतिन ने पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन ने तन्याहू से फोन पर बातचीत की। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति को कॉल किया। यह सिर्फ दो फोन कॉल नहीं बल्कि मिडिल ईस्ट की राजनीति में एक संभावित गेम चेंजर माने जा रहे हैं। बीते कुछ समय से अमेरिका और ईरान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त बयानबाजी। दूसरी तरफ ईरान की खुली चेतावनी और बीच में इजराइल जो ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है।

रिपोर्ट्स में यहां तक कहा जा रहा है कि अमेरिका किसी भी वक्त ईरान पर सैन्य कारवाई कर सकता है। इसी आशंका ने पूरी दुनिया को अलर्ट मोड पर ला दिया। सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति को फोन करने से पहले इजराइल के पीएम नेतन्या से क्या बात की? दरअसल क्रेमल के बयान के मुताबिक पुतिन ने पुतिन ने नितन्याहू से ईरान संकट पर

विस्तार से चर्चा की। क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता पर जोर दिया और सबसे अहम बात सैन्य टकराव से बचने की अपील की। यहीं से संकेत मिलते हैं कि रूस सीधे तौर पर मध्यस्थ की भूमिका निभाने की तैयारी में है। रूस ने साफ शब्दों में कहा कि वह ईरान और इजराइल और अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका के बीच संवाद और सुलह की कोशिशों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। पुतिन का मानना है कि अगर इस टकराव ने सैन्य रूप ले लिया तो इसका असर सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर असर पड़ेगा।

नेतन्या से बातचीत के बाद पुतिन ने सीधे ईरान के राष्ट्रपति को फोन घुमाया। इस बातचीत में ईरान में फैली अशांति, अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव और संभावित युद्ध खतरों पर गंभीर चर्चा हुई। यह पहली बार नहीं है जब रूस ने ईरान से संपर्क किया हो। लेकिन इस टाइमिंग ने इसे बेहद अहम बना दिया। राजनीतिक एक्सपर्टों का मानना है कि पहले नितन्याहू और फिर ईरान के राष्ट्रपति से बात करना इस बात का संकेत है कि पुतिन दोनों पक्षों के बीच पुल बनाना चाहते हैं।

रूस का संदेश बिल्कुल साफ है। युद्ध नहीं बातचीत करो। इस पूरे संकट का असर भारत पर भी पड़ सकता है। ईरान में फंसे भारतीय नागरिक धीरे-धीरे लौट रहे हैं। लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता और तेल आपूर्ति और व्यापार को देखते हुए भारत सरकार पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर है और यही वजह है कि अब भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा रहा है।